● वर्ष : 17 ● अंक : 172 ● मूल्य : 02 रुपया मात्रा ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक
लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित रविवार 12 अप्रैल 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

4 मई को बंगाल में होगा बदलाव, सत्ता में आते ही आयुष्मान योजना करेंगे शुरूः पीएम मोदी

बंगाल चुनाव-2026ः कटवा रैली में प्रधानमंत्री का सीएए लागू करने और घुसपैठ रोकने का वादा

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के पूर्वी बर्दवान के कटवा में शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में इस बार मेरी चुनावी रैलियों में आम लोगों की भीड़ और जन उत्साह का ऐसा नजारा पहले कभी गुजरात में भी नहीं नजर आता था। पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात में भी, मैं चाहकर भी दोपहर 12 बजे इस तरह की रैली आयोजित नहीं कर सकता था। आप लोग यहां हर बार सभाएं आयोजित करते हैं। मैं प्रभावित हूं। इससे यह स्पष्ट है कि 4 मई के बाद पश्चिम बंगाल में बदलाव आने वाला है। उन्होंने कहा कि अगर इस बार पश्चिम बंगाल में बीजेपी सत्ता में आती है, तो नई सरकार एक श्वेत पत्र जारी करेगी जिसमें राज्य में टीमएमसी के पिछले 15 सालों के शासनकाल के दौरान हुए भ्रष्टाचार के मामलों का विस्तृत विवरण होगा। उन्होंने कहा की टीएमसी पहले से ही घबराई हुई है। इसीलिए वे प्रचार कर रहे हैं कि बीजेपी के सत्ता में आने पर राज्य की सभी कल्याणकारी योजनाएं बंद कर दी जाएंगी। मैं गारंटी देता हूं कि एक भी कल्याणकारी योजना बंद नहीं होगी। केवल टीएमसी नेताओं के

भ्रष्टाचार और लूट के अड्डे बंद किए जाएंगे। पीएम मोदी घोषणा की कि यदि इस बार पश्चिम बंगाल में बीजेपी सत्ता में आती है, तो नए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गठित पहला मंत्रिमंडल राज्य में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने की अनुमति देने वाला प्रस्ताव पारित करेगा। उन्होंने कहा कि यहां टीएमसी सरकार ने आयुष्मान भारत योजना को लागू न होने देकर लंबे समय तक राज्य के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रखा लेकिन बीजेपी सरकार के आने से इस सुविधा का भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि नई बीजेपी सरकार न केवल घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी बल्कि उन लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई करेगी जिन्होंने उनके लिए फर्जी पहचान पत्र बनवाकर उन्हें पश्चिम बंगाल में बसने में मदद की थी। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने संकल्प लिया है कि वह बंगाल को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। उन्होंने हाल ही में जारी घोषणापत्र का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें दी गई छह गारंटियों को लागू करने का स्पष्ट रोडमैप है। पीएम मोदी ने कहा कि मोदी की गारंटी टीएमसी के भय के राज को खत्म कर जनता में भरोसा स्थापित करने की है। उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था और विकास के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए बदलाव की जरूरत पर जोर दिया। पीएम मोदी मुर्शिदाबाद भी जाएंगे, जहां वे हालिया हिंसा में मारे गए लोगों के परिजनों से मुलाकात करेंगे।

बंगाल में भाजपा की सरकार बनी, तो सीएए लागू करने में आएगी तेजी, घुसपैठियों को छोड़ना होगा बंगाल : मोदी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कटवा में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए नागरिकता, घुसपैठ और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) जैसे मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का स्पष्ट रुख सामने रखा। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बनने पर नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के तहत नागरिकता देने की प्रक्रिया को तेज किया जाएगा, विशेषकर मतुआ और नामशूद्र शरणार्थी परिवारों के लिए। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की सरकार लोगों में भय का माहौल बना रही है, जबकि केंद्र सरकार का उद्देश्य शरणार्थियों को नागरिकता प्रदान करना है। उन्होंने कहा, "मतुआ और नामशूद्र समाज के लोग संविधान के संरक्षण में हैं और उन्हें उनका अधिकार जरूर मिलेगा। दक्षिण बंगाल में प्रभाव रखने वाले मतुआ समुदाय का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भरोसा दिलाया कि भाजपा सरकार बनने पर सभी पात्र आवेदकों को शीघ्र नागरिकता दी जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा "घुसपैठियों को अब अपना सामान बांध लेना चाहिए, भाजपा सरकार बनने पर उन्हें राज्य छोड़ना होगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में पश्चिम बंगाल में भय और असुरक्षा का वातावरण बना है। उन्होंने इसे "तृणमूल के डर" का शासन बताते हुए कहा कि यह चुनाव उस माहौल को समाप्त करने का अवसर है। भाजपा के एजेंडे को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्ता में आने पर तृणमूल सरकार के भ्रष्टाचार पर श्वेतपत्र जारी किया जाएगा और राजनीतिक हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

जस्टिस वर्मा का इस्तीफा सवाल खड़े करने वाला

जस्टिस यशवंत वर्मा ने कैश कांड विवाद और जांच के बीच ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया। दरअसल मार्च 2025 में उनके दिल्ली आवास में आग लगने और जले हुए नोटों के बंडल मिलने के बाद से ही यह मामला सुर्खियां बटोर रहा है। हाल के घटनाक्रम में जस्टिस यशवंत वर्मा का राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को इस्तीफा न्यायपालिका और राजनीति के जटिल संबंधों पर एक बार फिर देश मे नई बहस को जन्म दे दिया है। खास बात यह है कि उनके खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव संसद में लंबित है, इसी बीच उनका इस्तीफा सामने आ गया है। यह स्थिति कई संवैधानिक और नैतिक सवाल खड़े कर रही है। क्या यह इस्तीफा महाभियोग की प्रक्रिया से बचने के लिए जस्टिस यशवंत वर्मा ने दिया है? यशवंत वर्मा ने अपने इस्तीफा में कोई कारण नहीं बताया है।

उनका कहना है यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है। भारतीय संविधान में न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया बेहद कठोर और दुर्लभ है। महाभियोग के माध्यम से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को हटाने की गंभीर संसदीय प्रक्रिया है। जिसमें जज के खिलाफ आरोपों की जांच और दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है। ऐसे में यदि कोई न्यायाधीश महाभियोग से पहले ही इस्तीफा दे देता है, तो यह प्रक्रिया स्वतः समाप्त हो जाती है। यशवंत वर्मा के इस्तीफे से उनकी पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठने लगे हैं। उनकी स्थिति के बाद अब आरोपों की सत्यता तथा उनके घर से जो जले हुए नोट बरामद हुए थे।

उसकी वास्तविकता सार्वजनिक रूप से कभी सामने नहीं आ पायेगी। जब राज्यसभा में महाभियोग का प्रस्ताव पेश हुआ था उस समय के उप राष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति को रातों-रात इस्तीफा देना पड़ा था। सरकार को शक था। इस मामले में पूर्व उपराष्ट्रपति जयदीप धनखड़ ने बिना सरकार को बताए, जो कार्रवाई की उससे सरकार नाराज हो गई थी। जो उनके इस्तीफा का कारण बनी। जस्टिस वर्मा का इस्तीफा भी उसी संदर्भ से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि उनके मामले में परिस्थितियाँ और संवैधानिक स्थिति भिन्न थीं। लेकिन जिस तरीके से उन्होंने अपने स्वास्थ्य कारणों का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था, वह सत्य नहीं था। जस्टिस वर्मा के इस्तीफा के बाद यह साबित हो गया है। उपराष्ट्रपति का इस्तीफा सरकार के दबाव में हुआ था। अब इस्तीफे की बातें छन-छन कर सामने आ रही हैं। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का पद न्यायिक स्वतंत्रता का प्रतीक होता है। दोनों की तुलना एक दूसरे से करना उचित नहीं है। फिर भी समय और परिस्थितियों के कारण राजनीतिक अटकलें लगना स्वाभाविक है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

भारत का सबसे बड़ा दुश्मन चीन, कमतर आंकना ठीक नहीं : पूर्व उप राष्ट्रपति हामिद अंसारी

नई दिल्ली। भारत का अगर कोई सबसे बड़ा दुश्मन है, तब वह चीन ही है। हमारी सैन्य शक्ति की तुलना भी चीन होती है। इसके बाद भारत के पूर्व उप राष्ट्रपति हामिद अंसारी का एक बयान सुर्खियों में आ गया है। वे भारत के पूर्व विदेश मंत्री कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद से बातचीत करते दिख रहे हैं। इस बातचीत में अंसारी कहते हैं कि चीन की अनदेखी नहीं की जा सकती। वह भारत से कई गुना ज्यादा शक्तिशाली है फिर चाहे बात सेना की हो या फिर आर्थिक क्षेत्र की। हम वास्तविकताओं को अनदेखा नहीं कर सकते। चर्चा के दौरान पूर्व उप राष्ट्रपति अंसारी ने कहा कि चीन हमारा पड़ोसी है और बड़ा पड़ोसी देश है और चीन को कमतर नहीं आंकना ठीक नहीं है। चीन न सिर्फ भू भाग में बल्कि जनसंख्या के हिसाब से भी काफी बड़ा देश है। वह विकसित भी है। वह हमसे कई गुना शक्तिशाली है। जब हम चीन की बात करते हैं, तब हमें कोई नया ही रास्ता ढूंढना होगा। अंसारी ने 1961 में भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) में शामिल होकर बगदाद, रबात, जेद्दा और ब्रुसेल्स में भारतीय मिशनों में सेवा की। संयुक्त अरब अमीरात में राजदूत रहे (1976-1979), ऑस्ट्रेलिया में उच्चायुक्त (1985-1989), अफगानिस्तान में राजदूत (1989-1990), ईरान में राजदूत (1990-1992), संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि, (1993-1995),सऊदी अरब में राजदूत (1995-1999), अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के कुलपति (2000-2002) रहे है।

बेंगलुरु के आयुर्वेद संस्थान को मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले बेंगलुरु स्थित केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई) की क्लिनिकल लैब को आईएसओ 15189:2022 की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई है। यह उपलब्धि हासिल करने वाला यह केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद का पहला संस्थान बन गया है। यह मान्यता लैब में होने वाली जांचों की गुणवत्ता, सटीकता और विश्वसनीयता को वैश्विक स्तर पर प्रमाणित करती है। इससे मरीजों को बेहतर और भरोसेमंद जांच सेवाएं मिलेंगी। आयुष मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि संस्थान को राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड से 50 प्रकार के परीक्षणों के लिए मान्यता मिली है। यहां ब्लड शुगर, लिवर, किडनी, थायरॉइड और अन्य महत्वपूर्ण जांच की सुविधा उपलब्ध है। लैब हर साल 1.5 लाख से अधिक परीक्षण करती है और हजारों मरीजों को सेवाएं देती है। रिपोर्ट एसएमएस, ईमेल और व्हाट्सएप के जरिए भी उपलब्ध कराई जाती है। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि आईएसओ 15189:2022 जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप मान्यता प्राप्त होने से यह सुनिश्चित होता है कि रोगियों को विश्वसनीय और सटीक निदान सेवाएं मिलें। ये सेवाएं प्रभावी उपचार और बेहतर स्वास्थ्य परिणामों के लिए आवश्यक हैं। सीएआरआई बेंगलुरु की यह उपलब्धि दर्शाती है कि मंत्रालय किस प्रकार आयुष के बुनियादी ढांचे को गुणवत्ता और विश्वसनीयता के मानक में परिवर्तित कर रहा है।

आर्टेमिस-2 मिशनः 50 साल बाद चंद्रमा की सफल यात्रा कर लौटे अंतरिक्ष यात्री

वॉशिंगटन। नासा का ऐतिहासिक आर्टेमिस 2 मिशन सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। 10 दिनों की अंतरिक्ष यात्रा के बाद ओरियन कैप्सूल प्रशांत महासागर में सुरक्षित उतरा। इस मिशन के जरिए 50 वर्षों में पहली बार चार अंतरिक्ष यात्री—रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसन—चंद्रमा के करीब पहुंचे। उन्होंने कुल 11.16 लाख किलोमीटर की दूरी तय की और चंद्रमा के फार साइड से गुजरते हुए पृथ्वी से 4,06,771 किलोमीटर की अधिकतम दूरी का नया रिकॉर्ड बनाया। पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश के दौरान कैप्सूल की गति 39,000 किलोमीटर प्रति घंटा थी और घर्षण के कारण बाहरी तापमान 2760 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। सफल स्प्लैशडाउन के बाद अमेरिकी नौसेना ने अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। यह मिशन इसलिए खास है क्योंकि इसमें पहली बार एक महिला, एक अश्वेत व्यक्ति और एक गैर-अमेरिकी नागरिक ने चंद्रमा की कक्षा तक का सफर तय किया। यह सफलता नासा के आगामी आर्टेमिस 3 मिशन का मार्ग प्रशस्त करेगी, जिसका लक्ष्य 2028 तक चंद्रमा पर मानव लैंडिंग और भविष्य में मंगल ग्रह तक पहुंचना है।

आर्टेमिस-2 मिशन क्यों महत्वपूर्ण था? : आर्टेमिस-2 नासा का पहला क्रूड टेस्ट फ्लाइट था, जिसमें चार अंतरिक्ष यात्री शामिल थे। वे 1 अप्रैल को फ्लोरिडा के केप कैनवरल से एसएलएस रॉकेट से लॉन्च हुए थे। मिशन में उन्होंने पृथ्वी की दो कक्षाओं में घूमने के बाद चंद्रमा के बहुत करीब पहुंचकर उसकी परिक्रमा की।

वृंदावन नाव हादसाः यमुना में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, अब तक 10 की मौत और 5 अब भी लापता

एजेंसी। मथुरा

धर्मनगरी वृंदावन के केसी घाट पर शुक्रवार को हुए दर्दनाक नाव हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 22 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। शनिवार को दूसरे दिन भी लापता 5 लोगों की तलाश में बड़े स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। तलाश अभियान को तेज करने के लिए सेना (आर्मी) समेत विभिन्न राहत दलों के करीब 250 जवान तैनात किए गए हैं। रेस्क्यू टीमें घटनास्थल से लेकर 14 किलोमीटर के दायरे में जाल बिछाकर लापता लोगों को ढूंढ रही हैं। इस तलाशी

अभियान में नाव जंगलों में फंसी मिल गई है लेकिन 5 लोग अभी भी लापता हैं। अधिकारियों के मुताबिक, यमुना का बहाव तेज होने के कारण लापता लोगों के दूर बह जाने की आशंका है। साथ ही, नदी के तल में भारी गाद और कीचड़ होने की वजह से शवों के रेत में दबे होने की संभावना भी जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि हादसे के 24 घंटे बीतने के बाद शव फूलकर पानी की सतह पर आ सकते हैं। यह दर्दनाक हादसा शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे हुआ, जब 37 श्रद्धालुओं से भरी एक नाव यमुना के बीचों-बीच पलट गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि नाव की क्षमता 40 लोगों की थी, लेकिन सुरक्षा नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए किसी भी श्रद्धालु को लाइफ जैकेट नहीं दी गई थी। मृतकों में एक ही परिवार के 7 लोग शामिल हैं, जिनमें मां-बेटे, चाचा-चाची और बुआ-फूफा जैसे करीबी रिश्तेदार थे। जिस जगह नाव डूबी, वहां पानी की गहराई करीब 25 फीट बताई जा रही है। हादसे में जीवित बचे एक युवक ने बताया कि नाव तट से करीब 50 फीट दूर थी, तभी 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने लगीं। नाव डगमगाने लगी और नाविक ने नियंत्रण खो दिया। श्रद्धालुओं ने नाविक से नाव रोकने की गुहार लगाई, लेकिन उसने अनसुना कर दिया। नाव दो बार पीपा पुल से टकराते-टकराते बची, लेकिन तीसरी बार जोरदार टक्कर हुई और नाव देखते ही देखते पानी में समा गई। पुलिस ने मुख्य आरोपी नाविक पप्पू निषाद को हादसे के 6 घंटे बाद शनिवार रात हिरासत में ले लिया है।

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' और अन्य योजनाएं ज्योतिबा फुले के विचारों के अनुरूप : नितिन नवीन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती

पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा, महिला सशक्तीकरण और सामाजिक समानता के उनके विचार आज भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने फुले के समाज सुधार के कार्यों को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' और अन्य योजनाएं उनके आदर्शों-विचारों के अनुरूप हैं। शनिवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन ने मीडिया में जारी एक बयान में कहा कि ज्योतिबा फुले के योगदान को देश आज भी याद करता है। उन्होंने कहा कि ज्योतिबा फुले ने पहले बालिका विद्यालय की स्थापना से लेकर सती प्रथा खत्म करने जैसे कई ऐतिहासिक कार्य किए, जो आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान से लेकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और शिक्षा के क्षेत्र में आगे लाने की पहल का उल्लेख किया।

एनएच-927 से भारत-नेपाल व्यापार को मिलेगी रफ्तार, विस्तृत आकलन जारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बाराबंकी-बहराइच हाई-वे परियोजना को लेकर भारत-नेपाल व्यापार पर पड़ने वाले प्रभाव का विस्तृत आकलन जारी किया है। इसमें राष्ट्रीय राजमार्ग-927 का यह खंड सीमा पार व्यापार के लिए प्रमुख लाइफलाइन के रूप में उभरने का अनुमान लगाया गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार इस राजमार्ग के जरिए रूपईडीहा लैंड पोर्ट तक कनेक्टिविटी तेज और अधिक विश्वसनीय होगी। इससे नेपाल के नेपालगंज मार्ग पर माल ढुलाई में वृद्धि की संभावना जताई गई है। परियोजना पूरी होने पर बाराबंकी से बहराइच के बीच यात्रा समय लगभग 150 मिनट से घटकर 75 मिनट रह जाएगा। औसत गति

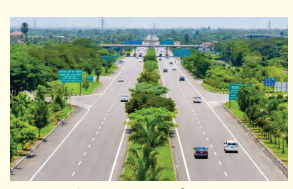

40 किमी प्रति घंटा से बढ़कर 80 किमी प्रति घंटा हो जाएगी। इससे विशेष रूप से सब्जियां और डेयरी जैसे नाशवंत उत्पादों के नुकसान में कमी आएगी। केंद्र ने अनुमान जताया है कि इस कॉरिडोर के जरिए खाद्यान्न, दवाइयों और उपभोक्ता वस्तुओं की सप्लाई अधिक सुचारू होगी। अतीत में सीमा पर जाम और देरी के कारण आपूर्ति प्रभावित होती रही है, जिससे व्यापारियों को करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ता था।

9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की एसआईआर में 6.08 करोड़ नाम कटे

एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग के एसआईआर के दूसरे फेज के तहत शुक्रवार को यूपी में फाइनल वोटर सूची जारी की। इसके पूरा होने के बाद 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की वोटरों की सूची में कुल 6.08 करोड़ नाम कट गए हैं। पिछले साल 27 अक्टूबर को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल मतदाताओं की संख्या करीब 51 करोड़ थी। फाइनल सूची जारी होने के बाद यह संख्या 44.92 करोड़ रह गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसआईआर के दूसरे फेज में यूपी, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान,

यूपी में 2.04 करोड़ तो पश्चिम बंगाल में 91 लाख लोग फाइनल सूची से बाहर

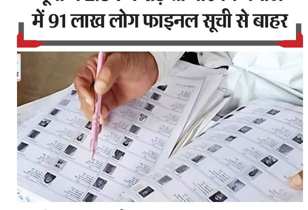

छत्तीसगढ़, केरल, गुजरात, मध्य प्रदेश, गोवा समेत पुडुचेरी, अंडमान-निकोबार, लक्षद्वीप की फाइनल वोटर सूची जारी की गई है। यूपी में शुक्रवार को जारी हुई एसआईआर की फाइनल सूची में वोटर्स की संख्या 13फीसदी घटकर 13.39 करोड़ रह गई यानी 2.04 करोड़ लोगों के नाम कट गए हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में करीब 91 लाख वोटर्स के नाम फाइनल सूची से बाहर हो गए हैं। चुनाव आयोग ने 24 जून 2025 को पूरे देश में एसआईआर कराने का आदेश दिया था। अब तक 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश कवर हो चुके हैं। एसआईआर के पहले फेज में बिहार, दूसरे फेज में 9 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर कराया गया था। वहीं असम में एसआईआर के बजाय 10 फरवरी को स्पेशल रिवीजन पूरा किया गया था। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान कई राज्यों में शेड्यूल में कई बार बदलाव हुए। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में राजनीतिक दलों ने इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

जंग में जान गंवा चुके मासूमों के फोटो, बैग और जूते विमान में रखकर इस्लामाबाद पहुंचा ईरानी डेलिगेशन

एजेंसी। इस्लामाबाद

अमेरिकी हमलों में ईरान के सैकड़ों स्कूली बच्चे मारे गए है। तकलीफ तब और बढ़ गई जब ईरान की संसद के स्पीकर बागेर कालिबाफ अपने विमान की प्रत्येक सीट पर जान गंवाने वाले मासूमों की तस्वीर, जूते, और स्कूली बैग रखकर शांति वार्ता के लिए इस्लामाबाद पहुंचे। ईरान का यह कदम पूरी दुनिया को युद्ध की विभीषिका और नागरिक हताहतों का सच दिखाने की एक सोची-समझी कोशिश मानी जा रही है। स्पीकर कालिबाफ ने अपनी पोस्ट में हैशटैग मिनाब 168 का इस्तेमाल किया है, जो एक बड़ी त्रासदी की ओर इशारा करता है। दरअसल, यह उन 170 से अधिक लोगों की याद में है, जो ईरान के मिनाब शहर के शजरह तैय्यबेह प्राथमिक विद्यालय पर हुए मिसाइल हमले में

मारे गए थे। उस हमले के वक्त बच्चे अपनी कक्षाओं में पढ़ रहे थे। विमान में रखे गए ये बैग और जूते उन्हीं बच्चों के हैं जो अब इस दुनिया में नहीं रहे। बागेर कालिबाफ जिस विमान से पाकिस्तान पहुंचे हैं, उसे एक उड़ते हुए स्मारक का रूप दिया गया है। कालिबाफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विमान के भीतर की एक अत्यंत भावुक कर देने वाली तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में विमान की हर सीट के पीछे उन मासूम बच्चों की तस्वीरें चिपकाई गई हैं, जिन्होंने हालिया अमेरिकी-इजरायली हमलों में अपनी जान गंवाई है। इतना ही नहीं, हर सीट पर स्कूली बैग और छोटे जूते भी रखे गए हैं। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव कम करने की दिशा में शनिवार को एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। दोनों देशों के बीच शांति वार्ता के लिए पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पूरी तरह तैयार है, जहां ईरानी प्रतिनिधिमंडल का आगमन हो चुका है। इस हाई-प्रोफाइल बैठक के लिए ईरान की संसद के स्पीकर बागेर कालिबाफ अपनी विशेष टीम के साथ शनिवार को इस्लामाबाद पहुंचे, जहां पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने खुद उनका स्वागत किया। इस्लामाबाद में होने वाली इस वार्ता की मेज पर ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि उसका मकसद सिर्फ राजनीतिक संवाद नहीं, बल्कि उन मासूमों के लिए न्याय की मांग करना भी है जिन्हें युद्ध की आग में झोंक दिया गया।

पाकिस्तान में सीजफायर को लेकर वार्ता के बीच भारत ने की बड़ी कूटनीतिक पहल

नई दिल्ली। मीडिया ईस्ट संकट के स्थायी समाधान को लेकर पाकिस्तान में अस्थायी सीजफायर से संबंधित

पक्ष आगे का रास्ता तलाशने के लिए जुटे। इसी दौरान भारत ने एक बड़ी कूटनीतिक पहल की है, जिसमें ईरान युद्ध से प्रभावित खाड़ी के 6 अहम देश शामिल हुए। भारत ने गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के देशों के साथ अपनी एकजुटता जाहिर की है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भारत का यह संदेश सऊदी अरब, कतर, कुवैत, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान तक पहुंचाया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने खाड़ी के इन छह देशों को एक बार फिर यह बात दोहराई है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की वजह से पैदा होने वाली जरूरी खाने-पीने की चीजों की सप्लाई चेन में आने वाली किसी भी तरह की रुकावट के समाधान में हमारा समर्थन जारी रहेगा। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से इस संबंध में शुक्रवार को बयान जारी किया गया था, उससे स्थिति और साफ हुई कि मौजूदा संकट की स्थिति में खाड़ी देशों की चुनौतियों को लेकर भारत का स्टैंड क्या है।

खास खबर

भारत-सऊदी अरब ने पश्चिम एशिया की स्थिति का लिया जायजा, आपूर्ति श्रृंखला की निरंतरता सुनिश्चित करने पर रहा जोर

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को सऊदी अरब के वाणिज्य मंत्री डॉ. माजिद बिन अब्दुल्ला अल कासबी के साथ आभासी रूप से बातचीत की। इस दौरान मौजूदा आपूर्ति श्रृंखला की निरंतरता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि पीयूष गोयल ने आज सऊदी अरब के वाणिज्य मंत्री डॉ. माजिद बिन अब्दुल्ला अल कासबी के साथ आभासी रूप से बातचीत की और उम्मीद जताई कि हाल ही में घोषित संघर्षविराम इस क्षेत्र में स्थायी शांति और सुरक्षा का मार्ग प्रशस्त करेगा। मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने बातचीत के दौरान सऊदी लोगों के अदम्य साहस की सराहना की, जो बढ़ती बाधाओं और अस्थिरता के बीच आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती बनाए रखने के अपने संकल्प पर अडिग रहे हैं। गोयल ने मौजूदा संघर्ष के दौरान देश में हुए हमलों की भी निंदा की और भारतीय समुदाय की सुरक्षा के लिए सऊदी अरब के प्रयासों की सराहना की। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने बातचीत के दौरान इस बात पर गौर किया कि संघर्ष के कारण क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर कितना दबाव पड़ा है और सुचारू व्यापार प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयासों के माध्यम से जल्द से जल्द स्थिति सामान्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया। गोयल ने सऊदी अरब और खाड़ी क्षेत्र को निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही मंत्रियों ने द्विपक्षीय व्यापार को मज़बूत करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और भारत-जीसीसी मुक्त व्यापार समझौता वार्ताओं में जल्द प्रगति होने के प्रति आशा व्यक्त की। इस बातचीत में भारत-सऊदी अरब आर्थिक साझेदारी को और अधिक गहरा करने की साझा प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया गया।

विजेंद्र गुप्ता ने रोहिणी में 50 लाख के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आज रोहिणी में 50 लाख के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर बुनियादी ढांचे में स्पष्ट और ठोस बदलाव दिखना अत्यंत आवश्यक है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि लगभग 50 लाख की लागत से किए जा रहे ये कार्य रोहिणी के सेक्टर-7 और सेक्टर-8 सहित नाहरपुर गांव में विभिन्न स्थानों पर संचालित किए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर आवश्यक नागरिक सेवाओं को सुदृढ़ करना है। इन परियोजनाओं में गलियों का निर्माण, पुरानी पानी की पाइपलाइन बदलना और सीवर एवं नालियों को बेहतर बनाना शामिल है ताकि लंबे समय से चली आ रही लोगों की समस्याओं का समाधान तय समय में हो सके। उन्होंने बताया कि सेक्टर-8 में विभिन्न पॉकेट्स में नई गलियों के निर्माण कार्य प्रारंभ किए गए, जिससे आंतरिक संपर्क व्यवस्था बेहतर होगी। इसके साथ ही पॉकेट बी-4 में नालियों के पुनर्निर्माण, पॉकेट ए-1 में आरएमसी (रेडी मिक्स कंक्रीट) सड़कों के पुनर्विकास तथा पॉकेट ए-16 में दो नालों के भीतर जल पाइपलाइनों को बदलकर नया लगाने के कार्यो का शिलान्यास किया गया। इसके अतिरिक्त, नाहरपुर गांव में दो स्थानों पर सीवर लाइन के नवीनीकरण कार्यों का उद्घाटन किया गया, जिससे स्वच्छता एवं जल निकासी की स्थिति में सुधार होगा। सेक्टर-7 में पॉकेट डी-12 एवं जी-22 में नालों के भीतर जल पाइपलाइनों को बदलकर नया लगाने के कार्य भी शामिल हैं, जिससे जल आपूर्ति अधिक विश्वसनीय एवं प्रभावी बनेगी। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आधारभूत संरचना पर निरंतर ध्यान देना आवश्यक है, ताकि विकास समावेशी एवं सार्थक बना रहे। उन्होंने कहा कि मूलभूत नागरिक सुविधाओं में निरंतर निवेश न केवल जीवन स्तर को बेहतर बनाता है, बल्कि शासन के प्रति जनविश्वास को भी सुदृढ़ करता है।

कुतुब मीनार इलाके में ट्रैफिक पाबंदियां, शाम 4 से 9 बजे तक रहेगा असर

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने 12 अप्रैल को कुतुब मीनार और महरौली पुरातात्विक पार्क के आसपास भारी भीड़ और वाहनों के दबाव को देखते हुए विशेष ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक अनुव्रत मार्ग, क्रिसेंट रोड और आसपास की सड़कों पर यातायात प्रतिबंध और डायवर्जन लागू रहेंगे। ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक, इस दौरान कुतुब मीनार और महरौली आर्कियोलॉजिकल पार्क के आसपास बड़ी संख्या में लोगों के आने की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक को सुचारु बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है।

कहां-कहां रहेगी पाबंदी: एडवाइजरी के अनुसार, अनुव्रत मार्ग से फूल मंडी होते हुए कुतुब मीनार की ओर और क्रिसेंट मार्ग से मस्जिद हाजी अली जान की तरफ से कुतुब मीनार जाने वाले मार्ग पर भारी और व्यावसायिक वाहनों की एंट्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। इसके अलावा कालकादास मार्ग से भी ऐसे वाहनों को कुतुब मीनार की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी।

पार्किंग और वैकल्पिक व्यवस्था: ट्रैफिक पुलिस ने साफ किया है कि अनुव्रत मार्ग, क्रिसेंट मार्ग और कालकादास मार्ग के आसपास कहीं भी गलत तरीके से वाहन खड़ा करने पर उसे तुरंत हटाकर चालान किया जाएगा। कुतुब मीनार जाने वाले लोगों के लिए कालकादास मार्ग से ही प्रवेश की अनुमति होगी और पार्किंग भी वहीं निर्धारित स्थलों पर करनी होगी। हालांकि, अरविंदो मार्ग, अनुव्रत मार्ग, क्रिसेंट रोड और कालकादास मार्ग सामान्य यातायात के लिए खुले रहेंगे, लेकिन भीड़ को देखते हुए आंशिक असर पड़ सकता है।

लोगों के लिए सलाह: ट्रैफिक पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे इन मार्गों से बचें और संभव हो तो मेट्रो का इस्तेमाल करें। खासकर आईजीआई एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन या बस अड्डे जाने वाले लोग समय से पहले निकलें ताकि देरी से बचा जा सके। साथ ही किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचना देने की अपील की गई है। पुलिस का कहना है कि बेहतर ट्रैफिक व्यवस्था के लिए लोगों का सहयोग बेहद जरूरी है।

एक दिन में 51.5 लाख एलपीजी सिलेंडर किए गए डिलीवर: सरकार

लोकतंत्र की शान

▪ पश्चिम एशिया संकट के बीच 8.7 लाख भारतीय स्वदेश लौटे : सरकार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच सरकार ने शनिवार को कहा कि भारत की ईंधन आपूर्ति और समुद्री परिचालन समान्य है। केंद्र सरकार ने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है। सरकार ने कहा कि कल 51.5 लाख से अधिक सिलेंडर वितरित किए गए हैं और 8.7 लाख भारतीय स्वदेश लौटे हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया, "घरेलू रसोई गैस यानी एलपीजी सिलेंडरों की डिलीवरी सामान्य बनी हुई है, जबकि 10 अप्रैल को ही "51.5 लाख से ज्यादा घरेलू एलपीजी सिलेंडरों" की डिलीवरी की गई, जबकि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास के घटनाक्रमों के कारण सप्लाई चेन पर दबाव बना हुआ है।" मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने बिना किसी रुकावट के सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसमें "घरेलू एलपीजी और पीएनजी की सप्लाई को प्राथमिकता दी गई है, इसके साथ ही अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों को भी उच्च प्राथमिकता दी है।" मंत्रालय ने यह भी कहा कि "एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप्स पर स्टॉक खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है," जिससे पता चलता है कि पूरे देश में सप्लाई स्थिर है। मंत्रालय ने कहा कि "पूरे उद्योग में ऑनलाइन एलपीजी की बुकिंग बढ़कर लगभग 98 फीसदी हो गई है," जबकि "गैस के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) पर आधारित डिलीवरी बढ़कर लगभग 93 फीसदी हो गई है।" पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा, "नागरिकों को पीएनजी और इलेक्ट्रिक या इंडक्शन कुकटॉप जैसे वैकल्पिक ईंधनों का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।" मंत्रालय ने बताया कि "अब तक 26,000 से ज्यादा पीएनजी उपभोक्ताओं ने https://mypngd.in/ के जरिए अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर दिए हैं।" देश के सभी रिफाइनरियां पर्याप्त कच्चे तेल के भंडार के साथ उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं, जबकि पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा जा रहा है। घरेलू खपत को पूरा करने के लिए रिफाइनरियों से एलपीजी का घरेलू उत्पादन बढ़ाया गया है। मंत्रालय ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (ओएमसी) ने पिछले 8 दिनों में 5 किलो एफटीएल सिलेंडरों के लिए लगभग 2,900 जागरूकता शिविर आयोजित किए हैं। भारतीय ध्वज वाला एलपीजी पोत जग विक्रम लगभग 20,400 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार कर गया। खाड़ी क्षेत्र से 2,009 से अधिक भारतीय नाविक सुरक्षित रूप से स्वदेश लौट आए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटों में 81 नाविक वापस लौटे हैं। भारतीय दूतावास और पोस्ट भारतीय नागरिकों के लिए चौबीसों घंटे हेल्पलाइन और सक्रिय सहायता प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावा आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 और एलपीजी नियंत्रण आदेश, 2000 के तहत राज्य सरकारों को पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति की निगरानी करने और जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार दिया गया है।

सीबीआई ने थाईलैंड से वांछित अपराधी साहिल चौहान का प्रत्यर्पण कराया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को थाईलैंड से हरियाणा पुलिस के वांछित आरोपित साहिल चौहान का प्रत्यर्पण किया। वह लंबे समय से हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती और अवैध हथियारों के इस्तेमाल जैसे मामलों में वांछित था। सीबीआई ने बताया कि साहिल चौहान भुप्पी राणा गैंग का सक्रिय सदस्य है और साल 2017 में यमुनानगर के जगाधरी कोर्ट परिसर में गैंग प्रतिद्वंद्विता के दौरान गोलीबारी के मामले में दोषी ठहराया गया था। जमानत पर रिहा होने के बाद वह फरार होकर विदेश चला गया था। सीबीआई ने गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के सहयोग से इंटरपोल चैनलों के माध्यम से कार्रवाई करते हुए उसे बैंकॉक से निर्वासित कर दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारत वापस लाया, जहां हरियाणा पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। एजेंसी ने बताया कि साहिल चौहान ने 4 जनवरी 2017 को यमुनानगर के जगाधरी कोर्ट परिसर में मोनू राणा पर गोलियां चलाई थीं, जब उसे लंबित आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए अदालत लाया गया था। इस घटना के बाद उसके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल हुआ और

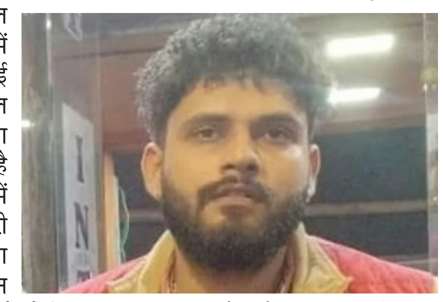

अदालत ने उसे 10 साल की सजा सुनाई थी। हालांकि बाद में जमानत पर रिहा होने के बाद वह फरार हो गया और विदेश भाग गया। हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर एनसीबी-नई दिल्ली ने साहिल चौहान के खिलाफ रेड नोटिस जारी कराया था। इसके बाद उसे बैंकॉक में ट्रेस कर लिया गया और वहां से निर्वासित कर भारत लाया गया।

भारत के निर्माण और विकास में इस्लाम और मुसलमानों की ऐतिहासिक भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः 'इंडिया हिस्ट्री फोरम' के तत्वावधान में इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में एक भव्य दो दिवसीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। यह सम्मेलन "भारत के इतिहास, समाज और सभ्यता के विकास में मुसलमानों की भूमिका" के मुख्य विषय के तहत आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के पहले दिन शशि थरूर (सांसद, लोकसभा), सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी (अध्यक्ष, जमाअत-ए-इस्लामी हिंद), गुरदीप सिंह सप्पल (कांग्रेस नेता), मोहम्मद अदीब (पूर्व राज्यसभा सांसद), मनोज कुमार झा (सांसद, राज्यसभा), अशोक कुमार पांडे (लेखक), डॉ. शादाब मूसा (संयोजक, इंडिया हिस्ट्री फोरम) और अन्य विशेषज्ञों एवं महत्वपूर्ण हस्तियों ने अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर सांसद शशि थरूर ने कहा कि, "हमारे इतिहास में बहुत कुछ है। बहुत सी गलत और काल्पनिक कहानियों को भी इतिहास का हिस्सा बनाने की कोशिशें होती हैं। इन परिस्थितियों में इतिहास के सही नैरेटिव को समझना, सच्चाई तक पहुंचना और उसे समाज तक पहुंचाना बेहद जरूरी है।" जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के अध्यक्ष, सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने कहा कि, "इतिहास किसी भी राष्ट्र और देश के लिए बहुत महत्व रखता है। इतिहास केवल सूचना नहीं है बल्कि इसके आधार पर भविष्य

का निर्माण होता है। हमारा देश भारत, इतिहास के उस महत्वपूर्ण हिस्से को जो इस्लाम और मुसलमानों की महान ऐतिहासिक सेवाओं से संबंधित है भूल न जाए, सामूहिक विस्मृति (Collective Amnesia) का शिकार न हो जाए और इसमें व्यक्तियों की व्यक्तिगत पसंद-नापसंद शामिल न हो, इसके लिए इस तरह के सम्मेलन और कार्यक्रम बेहद महत्वपूर्ण हैं। आज इतिहास को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसे में मुसलमानों और न्यायप्रिय व्यक्तियों को आगे आकर इतिहास के सही नैरेटिव को दुनिया के सामने पेश करना चाहिए।"

जयंता लाइटिंग ने 'ओरिस्टार' के साथ इलेक्ट्रिकल सेगमेंट में रखा बड़ा कदम; तमन्ना भाटिया बनीं ब्रांड फेस

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली, भारत — जयंता ग्रुप ऑफ़ इंडस्ट्रीज़, जो पाँच दशकों से भी ज़्यादा समय से लाइटिंग और इलेक्ट्रिकल मैन्युफैक्चरिंग में बेहतरीन काम के लिए जाना जाता है, ने आधिकारिक तौर पर अपने नए ब्रांड ओरिस्टार के लॉन्च की घोषणा की है। इसके साथ ही, ग्रुप ने पंखों और इलेक्ट्रिकल उपकरणों के क्षेत्र में भी अपना विस्तार किया है। दिवंगत श्री काली शदान दास द्वारा 1967 में स्थापित, इस ग्रुप ने जयंता लैंप इंडस्ट्रीज़ के ज़रिए GLS (इनकैंडिसेंट) लैंप बनाने में अग्रणी के तौर पर अपनी यात्रा शुरू की थी। इन वर्षों में, यह पूर्वी भारत के प्रमुख लाइटिंग निर्माताओं में से एक बन गया है। ग्रुप ने जयंता ग्लास इंडस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड के तहत भारत की सबसे शुरुआती और सबसे बड़ी ग्लास शेल मैन्युफैक्चरिंग सुविधाओं में से एक भी स्थापित की, जो इनोवेशन और

इंजीनियरिंग में इसकी मज़बूत नींव को दर्शाता है। इन-हाउस रिसर्च और डेवलपमेंट पर लगातार ध्यान केंद्रित करते हुए, ग्रुप ने ऊर्जा दक्षता, स्थिरता और उपभोक्ताओं की बदलती ज़रूरतों के अनुरूप अपनी तकनीक को लगातार अपग्रेड किया है। पूरे भारत में अपनी उपस्थिति को और मज़बूत करने के लिए, जयंता लैंप इंडस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड ने जयंता लाइटिंग इनोवेशन LLP की स्थापना की, जिसका मुख्य ध्यान पूरे देश में मार्केटिंग, वितरण और ब्रांड विकास पर है।

पुलिस ने 35 साल पुराने हत्या के मामले को सुलझाया, आरोपित लुधियाना से गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 35 साल पुराने हत्या मामले का पर्दाफाश करते हुए 1991 से फरार चल रहे आरोपित को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल (आईएससी) की टीम ने लंबे समय तक तकनीकी निगरानी और खुफिया जानकारी के आधार पर इस कार्रवाई को अंजाम दिया। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह मामला वर्ष 1991 का है, जब त्रिलोकपुरी थाना क्षेत्र के वेस्ट विनोद नगर इलाके में दो अगस्त को एक दिल दहला देने वाली वारदात हुई थी। उस समय पुलिस को एक पीसीआर कॉल के जरिए सूचना मिली थी कि एक महिला पर चाकू से हमला किया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने करीब 55 वर्षीय महिला को गंभीर हालत में पाया, जिसके गले पर कई वार किए गए थे। वहीं उसका 18-20 वर्षीय बेटा भी चेहरे पर चाकू के घाव

के साथ घायल मिला। दोनों घायलों को तत्काल लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। जबकि उसका बेटा बच गया। इस मामले में हत्या और हत्या के प्रयास की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच में सामने आया कि आरोपित छवि लाल वर्मा, जो पीड़िता के घर में किरायेदार था ने ही इस वारदात को अंजाम दिया था। घटना के बाद वह फरार हो गया और 10 मई 1996 को उसे कोर्ट ने भगोड़ा घोषित कर दिया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार हाल ही में क्राइम ब्रांच की आईएससी टीम को इस पुराने मामले की जिम्मेदारी सौंपी गई। इंस्पेक्टर मनमीत मलिक के नेतृत्व में टीम ने पिछले छह महीनों तक लगातार काम किया। इस दौरान आरोपित के पैतृक गांव सुल्तानपुर सहित कई संभावित ठिकानों पर छानबीन की गई। तकनीकी जानकारी के आधार पर आरोपित की लोकेशन लुधियाना में मिलने की सूचना मिली। इसके बाद 10 अप्रैल को पुलिस टीम ने वहां छापा मारकर आरोपित को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया कि उसे शक था कि मकान मालकिन के पास काफी पैसे हैं, क्योंकि उसका पति विदेश में रहता था। इसी लालच में उसने रात के समय घर में घुसकर लूटपाट की कोशिश की। विरोध करने पर उसने महिला और उसके बेटे पर धारदार हथियार (चॉपर) से हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपित 35 वर्षों तक गिरफ्तारी से बचता रहा और कोलकाता, मुंबई, नागपुर, गोवा और पंजाब जैसे शहरों में लगातार ठिकाने बदलता रहा। गिरफ्तारी के डर से वह अपने गांव भी नहीं गया और यहां तक कि अपने बच्चों की शादियों में भी शामिल नहीं हुआ। पुलिस के अनुसार, आरोपित फिलहाल लुधियाना में एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम कर रहा था। गिरफ्तारी के बाद उसे संबंधित थाना त्रिलोकपुरी को सौंप दिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली सरकार की नई ड्राफ्ट ई.वी. पॉलिसी का किया स्वागत

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली सरकार की नई ड्राफ्ट इलैक्ट्रिक वाहन (ई.वी.) पॉलिसी का स्वागत किया और कहा कि तीन से सात वर्ष मे यह ई.वी. पॉलिसी दिल्ली की सड़कों से वाहन प्रदूषण को नगण्य कर देगी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शनिवार को विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इस पॉलिसी के तहत निजी दोपहिया और चार पहिया वाहनों पर रजिस्ट्रेशन फीस और रोड टैक्स माफ किया गया है, जिससे लोग निजी इस्तेमाल के लिए इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदने के लिए प्रोत्साहित होंगे। वहीं कमर्शियल माल ढोने वाले ई. वाहनों को रोड़ टैक्स एवं पंजीकरण शुल्क में भारी छूट देकर दिल्ली सरकार ने कमर्शियल वाहनों में भी बदलाव को बढ़ावा दिया है। सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में ऑटो रिक्शा सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और एक जनवरी 2027 से दिल्ली में पूरी छूट के साथ ई. आटो का पंजीकरण करने से सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था स्वच्छ होगी। उन्होंने कहा कि तीन एवं चार पहिया

कमर्शियल माल ढोने वाले वाहनों में ई. वाहनों को प्रोत्साहित करने से भी सड़कों पर प्रदूषण नियंत्रण करने में सहायता मिलेगी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इस नई ई.वी. पॉलिसी की सबसे अच्छी बात है की अब दिल्ली सरकार अपने उपयोग के लिए केवल ई. वाहन ही लेगी वहीं सार्वजनिक परिवहन बसें एवं एन1 ट्रक भी केवल इलैक्ट्रिक ही लेगी जिससे सड़कों पर 10 प्रतिशत से अधिक वाहन प्रदूषण दो वर्ष में कम होगा।

दिल्ली मेट्रो में लिफ्ट-एस्केलेटर सुरक्षा पर विशेष जागरूकता अभियान

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिफ्ट और एस्केलेटर के सुरक्षित उपयोग को लेकर सप्ताहभर का विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया है। यह अभियान सात से 13 अप्रैल तक पूरे मेट्रो नेटवर्क में चलाया जा रहा है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के प्रवक्ता अनुज दयाल ने शनिवार को बताया कि दिल्ली मेट्रो देश में लिफ्ट, एस्केलेटर और ट्रैवलटर का सबसे बड़ा संचालन करने वाला तंत्र है। वर्तमान में मेट्रो नेटवर्क में 965 लिफ्ट, 1297 एस्केलेटर और 42 ट्रैवलटर

संचालित हो रहे हैं। कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन विश्व का ऐसा मेट्रो स्टेशन है, जहां सबसे अधिक 53 एस्केलेटर लगे हुए हैं। इस अभियान के तहत स्काउट और गाइड स्वयंसेवकों के साथ डीएमआरसी के कर्मचारी विभिन्न स्टेशनों पर तैनात किए गए हैं, जो हाथों में संदेश लिखे प्लेकार्ड लेकर यात्रियों को सुरक्षा नियमों की जानकारी दे रहे हैं। अधिक भीड़ वाले स्टेशनों पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। साथ ही यात्रियों को पर्चे बांटकर जरूरी सावधानियों के बारे में बताया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को लिफ्ट और एस्केलेटर के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करना, दुर्घटनाओं से बचाव के उपाय बताना और बेहतर व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना है। बुजुर्गों और दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष मार्गदर्शन की भी व्यवस्था की गई है। डीएमआरसी ने यात्रियों को सलाह दी है कि लिफ्ट का उपयोग करते समय दरवाजों से दूरी बनाए रखें, जबरन दरवाजे न खोलें और किसी खराबी की स्थिति में अलार्म बटन का उपयोग करें। वहीं एस्केलेटर पर चढ़ते समय हैंडरेल पकड़ें, पीली रेखा के भीतर खड़े रहें, बच्चों को संभालकर रखें और गंतव्य पर पहुंचते ही तुरंत हट जाएं। डीएमआरसी के अनुसार, लिफ्ट और एस्केलेटर के रखरखाव को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है, लेकिन कई बार यात्रियों की लापरवाही के कारण दुर्घटनाएं हो जाती हैं। इसी को देखते हुए इस तरह का विशेष अभियान शुरू किया गया है, ताकि यात्रा को और सुरक्षित बनाया जा सके।

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिला सशक्तिकरण की दिशा में निर्णायक कदम : रेखा गुप्ता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक और निर्णायक कदम है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में अब नारी शक्ति का सशक्तिकरण नीति-निर्माण से लेकर राष्ट्र-निर्माण तक उसकी अग्रणी भूमिका को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम से विधायिका में महिलाओं का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा, जिससे निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी बढ़ेगी और देश के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक वीडियों जारी करते हुए कहा कि आज भारत को आगे बढ़ाने के लिए महिलाओं का आगे आना आवश्यक है। केवल

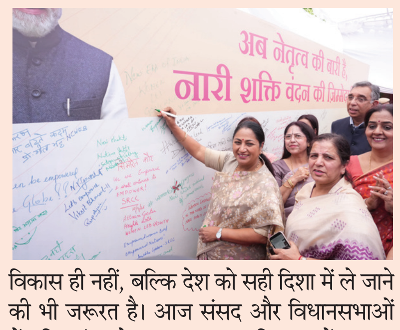

विकास ही नहीं, बल्कि देश को सही दिशा में ले जाने की भी जरूरत है। आज संसद और विधानसभाओं में महिलाएं आगे आकर सत्ता का हिस्सा बनें, शासन और प्रशासन में भागीदारी निभाएं, यह बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि एक महिला और एक बेटी होने के नाते, हमने अपने जीवन में जो देखा और सहा है, वही हमें बेहतर निर्णय लेने की समझ देता है। जब यह निर्णय लिया गया कि बेटियों को साइकिल दी जाए, ताकि वे आसानी से स्कूल जा सकें, तब मुझे वह संघर्ष याद आया जो एक बेटी को जन्म से आगे बढ़ने तक करना पड़ता है। इसी सोच के साथ "लखपति बिटिया योजना" लाई गई, ताकि हर बेटी पढ़े, अपनी ग्रेजुएशन पूरी करे और अपने पैरों पर खड़ी हो सके। जब यह नीति बनाई गई, तो उसे एक महिला के दृष्टिकोण से आगे बढ़ाया गया।मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की हर जागरूक महिला को आगे आकर इस बिल पर अपनी राय देनी चाहिए, इसका समर्थन करना चाहिए और अपनी भूमिका तय करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ आर्ट्स से 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की थी। इस दौरान कैंपस में छात्राओं और महिलाओं में इस हस्ताक्षर अभियान और महिला आरक्षण को लेकर काफी उत्साह दिखाई दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर हस्ताक्षर में उनका सपना, आगे बढ़ने का हौसला और बराबरी से भागीदारी का भरोसा का संदेश है।

संक्षिप्त समाचार

नजीबाबाद में 97वां सालाना उर्स अकीदत व अमन की दुआओं के साथ संपन्न सूफियाना कव्वालियों ने बांधा समां

लोकतंत्र की शान : खिज़र अहमद , नजीबाबाद। नन्हें मियां दरगाह मोहल्ला पाईंबाग में हज़रत बाबा नन्हें मियां चिश्ती र०अ० का 97वां 3 दिवसीय सालाना उर्स देश में अमनो अमान की दुआ के साथ संपन्न हुआ जिसमें उर्स आखिरी दिन नगर पालिका परिषद नजीबाबाद के अध्यक्ष इंजीनियर मौअज़्ज़म ने अक़ीदत की चादर पैश की देर रात तक चलने वाली सूफियाना कव्वालियों का जायरीनों ने लुत्फ़ उठाया नन्हें मियां की दरगाह पर चल रहे सालाना उर्स में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे इस अवसर पर राकेश जुनेजा, कसीम एड०, शाहिद सिद्दीकी, यासर आरिफ वारसी, सुजाअत ख़ांद, शाकिर शालू, आदि ने भी अपनी अक़ीदत के फूल पैश किए प्रोग्राम में ज़फ़र अकरम साबरी कव्वाल उत्तराखंड, अरमान साबरी नजीबाबाद, अमजद साबरी बिजनौर, आसिफ मलिक मेरठ आदि कव्वालों ने सूफियाना कलाम पैश कर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया इस दौरान नईम अख़्तर, अज़ीम अख़्तर, सूफ़ी नज़ाकत अली, बाबा मो० हसन, डॉ जुनैद अंसारी, इदरीस अब्बासी, अब्बास खलीफा, शरीफ़ अहमद उर्फ़ मन्नू खलीफा, कामरान अली अंसारी, शराफ़त चौधरी, नौशाद अब्बासी, अजमल अंसारी, नईम अल्वी, काशान खान, साबिर भाई (ए०वन०टेंट), रईस भाई (सम्राट साउंड बिजनौर) आदि लोगों का विशेष सहयोग रहा।

वार्ड 16 हिलाली सराय में विकास कार्यों का निरीक्षण, जनता ने दिया भरपूर सम्मान

लोकतंत्र की शान : संवाददाताः सैय्यद कुमैल ज़ैदी, संभल।/ नगर पालिका परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 16 हिलाली सराय में सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए चेयरमैन प्रतिनिधि चौधरी मुबाशिर अली खान ने विकास कार्यों की गुणवत्ता का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ वार्ड के मेम्बर हाफ़िज़ वसीम और क्षेत्र के कई सम्मानित नागरिक मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान चौधरी मुबाशिर अली खान ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य को पूरी गुणवत्ता और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस मौके पर मेम्बर हाफ़िज़ वसीम ने चौधरी मुबाशिर अली खान की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि चौधरी मुबाशिर अली खान एक कर्मठ और जुझारू नेता हैं, जो हमेशा जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देते हैं और उनके समाधान के लिए तत्पर रहते हैं। वहीं वार्ड के लोगों ने भी चौधरी मुबाशिर अली खान का गर्मजोशी से स्वागत किया और अपनी मोहब्बतों से नवाज़ा। इस पर चौधरी मुबाशिर अली खान ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि "मैं आप सभी की मोहब्बत का दिल से शुक्रगुजार हूं, और आगे भी इसी तरह क्षेत्र के विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करता रहूंगा।"

संभलः बहजोई में सपा कार्यालय पर महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती धूमधाम से मनाई गई

लोकतंत्र की शान : सैय्यद कुमैल ज़ैदी , संभल। समाजवादी पार्टी के कैंप कार्यालय बहजोई में शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अखिलेश यादव के निर्देशानुसार महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी एवं अन्य पदाधिकारियों ने महात्मा ज्योतिबा फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि महात्मा फुले का जन्म 11 अप्रैल 1827 को पुणे, महाराष्ट्र में हुआ था और वे 19वीं सदी के महान समाज सुधारक, विचारक, लेखक एवं क्रांतिकारी थे। उन्होंने जीवन भर जाति-व्यवस्था, छुआछूत, बाल विवाह और स्त्री शिक्षा के अभाव जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने आगे बताया कि फुले जी ने "सत्यशोधक समाज" की स्थापना कर शोषित, वंचित और किसानों की आवाज़ को बुलंद किया और समाज में समानता का संदेश दिया। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर ने अपने संबोधन में कहा कि सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर ज्योतिबा फुले ने वर्ष 1848 में लड़कियों के लिए देश का पहला विद्यालय खोला। उस समय महिलाओं और दलितों को शिक्षा देना अपराध माना जाता था, लेकिन तमाम विरोधों के बावजूद उन्होंने शिक्षा का दीप जलाया। उनका मानना था कि शिक्षा ही वह शक्ति है, जिससे समाज में फैली गुलामी और अज्ञानता की जंजीरों को तोड़ा जा सकता है। बैठक में विधवा पुनर्विवाह, अनाथ बच्चों के लिए आश्रम और "सार्वजनिक सत्यधर्म" जैसे उनके विचारों पर भी चर्चा की गई तथा उनके आदर्शों को अपनाकर भेदभाव रहित समाज बनाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की तथा संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर ने किया। इस अवसर पर पूर्व प्रत्याशी चंदौसी विमलेश कुमारी, ओम प्रकाश प्रजापति, ब्लॉक प्रमुख संजीव यादव, उमेश यादव, शोभित कुमार काका, सद्दाम कुरैशी, चेतन गुप्ता, उमेश दिवाकर, अशोक राणा, अशोक गुप्ता, योगेंद्र यादव, रियासत भाई, मुकेश यादव, नेताजी लाईक सिंह, रत्नेश भारती, कपिल देव, नेत्रपाल राणा, गेंदाल लाल राणा, बब्बन मौर्य, वीरपाल यादव, साजिद कुरैशी, विनीत कुमार, मनीष कुमार, पप्पू शर्मा, नरेंद्र अधिवक्ता, ललतेश यादव, अनिल यादव, सोनू दिवाकर, कमरे रेवाराम, विजय यादव, शेखर शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सिरसी कप फुटबॉल टूर्नामेंट 10 मई से बैठक में बनी सहमति

लोकतंत्र की शान : संवाददाताः सैय्यद कुमैल ज़ैदी, सिरसी। सिरसी स्पोर्टिंग फुटबॉल क्लब की एक महत्वपूर्ण बैठक क्लब कार्यालय पर आयोजित की गई, जिसमें आगामी सिरसी कप फुटबॉल टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि टूर्नामेंट को इस बार उच्च स्तर पर आयोजित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच मिल सके। बैठक में क्लब के सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने टूर्नामेंट कराने पर अपनी सहमति जताई। तय किया गया कि सिरसी कप फुटबॉल टूर्नामेंट आगामी 10 मई से जवाहर लाल इंटर कॉलेज के मैदान पर आयोजित किया जाएगा। इस दौरान वरिष्ठ कोच मोहम्मद अब्बास, कोच नादिर रज़ा, इफ्तेखार हुसैन, वसीम हैदर, सभासद आशिक अब्बास, हसीब असगर, आसिफ इकबाल, अकमाल ज़ैदी, बबन अली, शराफत हुसैन सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कोच नादिर रज़ा ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह टूर्नामेंट क्षेत्र के युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है, जहां उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर मंच मिलेगा। उन्होंने कहा कि क्लब का उद्देश्य सिर्फ प्रतियोगिता कराना नहीं, बल्कि स्थानीय खिलाड़ियों को आगे बढ़ाना और उन्हें उच्च स्तर की फुटबॉल के लिए तैयार करना है। उन्होंने आयोजन को अनुशासित एवं भव्य रूप से संपन्न कराने का भरोसा जताया और खिलाड़ियों व दर्शकों से सहयोग की अपील की।

महात्मा ज्योतिबा फुले के विचारों को जीवन में उतारे : महेंद्र आर्य

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शनिवार को महात्मा ज्योतिबा फूले जयंती के अवसर पर अम्बेडकर विकास मंच के तत्वावधान में श्रद्धा सुमन अर्पित किए।कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा फुले के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पण के साथ हुई। उपस्थित सभी लोगों ने उनके जीवन, संघर्ष और विचारों को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पूरे वातावरण में सामाजिक समरसता, शिक्षा और समानता के संदेश की गूंज सुनाई दी।अंबेडकर विकास मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य ने अपने संबोधन में महात्मा फुले के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने उस समय समाज में व्याप्त कुरीतियों, जातिगत भेदभाव और अशिक्षा के खिलाफ एक सशक्त आंदोलन खड़ा किया। उन्होंने शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम मानते हुए स्त्री शिक्षा की नींव रखी और वंचित वर्गों को शिक्षा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया। डॉ अंबेडकर जन्मोत्सव समिति की अध्यक्ष चंचल सागर ने कहा, "महात्मा ज्योतिबा फुले केवल एक समाज सुधारक ही नहीं, बल्कि एक महान विचारक और क्रांतिकारी थे। उन्होंने हमें सिखाया कि शिक्षा ही वह शक्ति है, जो व्यक्ति को सशक्त बनाती है और समाज को नई दिशा देती है।"आज के दौर में भी महात्मा फुले के विचार उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उनके समय में थे। समाज में समानता, भाईचारा और शिक्षा का प्रसार ही उनके जयंती का कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि महात्मा फुले ने महिलाओं के अधिकारों, शिक्षा और सम्मान के लिए जो कार्य किए, वह भारतीय समाज के इतिहास में मील का पत्थर हैं। उन्होंने सामाजिक न्याय की जो नींव रखी, उसी के आधार पर आज का आधुनिक समाज खड़ा है। अंबेडकर विकास मंच निरंतर महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और इसी उद्देश्य से ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, ताकि समाज में जागरूकता और सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सके। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि वे महात्मा ज्योतिबा फुले के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएंगे और समाज में शिक्षा, समानता एवं न्याय को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। इस अवसर पर मंच के अनेक सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र सिंह आर्य, चंचल सागर, ललित सिंह, सुशील भगत, फतेह चंद, मास्टर रामपाल सिंह, ब्रजपाल सिंह जाटव, मास्टर ब्रह्मज्ञान सिंह आदि लोग मौजूद थे।

थारू समाज के लोगों पर दर्ज मुकदमे वापस लेगी सरकारः मुख्यमंत्री

लोक तंत्र की शान

लखीमपुर खीरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखीमपुर खीरी के लोगों को बड़ी सौगात दी। महात्मा ज्योतिबा फुले व महाराणा सांगा के जन्मदिवस के एक दिन पहले मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जनपद में माफिया पालने वाली पेशेवर अपराधियों की सरकार महाराणा प्रताप व महाराणा सांगा के वंशजों पर अत्याचार और झूठे मुकदमे दर्ज करती थी। संघर्ष करने वाले थारू समाज के जिन लोगों पर सपा सरकार ने मुकदमे दर्ज किए थे, हमारी सरकार उन सारे मुकदमों को वापस लेगी। अब आप पर कोई अत्याचार नहीं कर पाएगा, क्योंकि डबल इंजन सरकार साथ खड़ी है और आपके संघर्ष को सम्मान दे रही है। इसके साथ ही सीएम ने फिर चेताया कि माफिया बनने का प्रयास करने वाले मिट्टी में मिलने की तैयारी भी कर लें। सरकार किसी माफिया को पनपने, गरीबों का हक छीनने और नौजवानों की नौकरी पर डकैती नहीं डालने देगी। मुख्यमंत्री ने चंदन चौकी (पलिया) में आयोजित कार्यक्रम में नदियों द्वारा भूमि क्षरण से प्रभावित पूर्वी उत्तर प्रदेश के 2350 परिवारों व थारू जनजाति के 4356 परिवारों को भौमिक अधिकार पट्टों का आवंटन किया और पलिया, श्रीनगर, निघासन व गोला गोकर्णनाथ विधानसभा क्षेत्रों की 817 करोड़ रुपये की 314 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। सीएम ने थारू जनजाति के कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुति देखी और अपनी संस्कृति को बचाकर रखने के लिए उनकी सराहना भी की।

रक्षा मंत्री ने लखनऊ में सेना के मध्य कमान के स्मृतिका युद्ध स्मारक में अत्याधुनिक लेज़र, लाइट और साउंड शो का उद्घाटन किया

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ छावनी स्थित सेना के मध्य कमान के स्मृतिका युद्ध स्मारक में एक अत्याधुनिक लेज़र, लाइट और साउंड शो का उद्घाटन किया। लगभग 30 मिनट का यह हिंदी मल्टीमीडिया शो, उन्नत प्रोजेक्शन, साउंड और लाइटिंग तकनीकों के माध्यम से भारतीय सेना के इतिहास, उसकी ऑपरेशनल उपलब्धियों और राष्ट्र-निर्माण में उसके योगदान को बयां करता है। यह शो भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और विरासत को समर्पित एक श्रद्धांजलि है। इसकी कहानी में भारत के प्रमुख युद्धों और ऑपरेशन्स, सेंट्रल कमांड की ऐतिहासिक भूमिका, अवध क्षेत्र की वीरता और 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना के अनुरूप समकालीन सैन्य आधुनिकीकरण को शामिल किया गया है। यह शो प्रतिदिन शाम के समय स्मृतिका युद्ध स्मारक में आयोजित किया जाएगा और जल्द ही इसे आम जनता के लिए भी खोल दिया जाएगा। इस मल्टीमीडिया प्रस्तुति में भारत के प्रमुख युद्धों का एक समग्र अवलोकन प्रस्तुत किया गया, जिसमें विशेष रूप से 1947-48, 1962, 1965 और 1971 के संघर्षों के प्रमुख ऑपरेशनल पहलुओं के साथ-साथ 'ऑपरेशन मेघदूत' और 'ऑपरेशन विजय' के दौरान दिए गए विशिष्ट योगदानों को रेखांकित किया गया है। भारतीय सशस्त्र बलों के विभिन्न ऑपरेशन्स में मध्य कमान द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को इसमें प्रमुखता से दर्शाया गया है। इसमें अवध क्षेत्र के 'परमवीर चक्र' विजेताओं की असाधारण वीरता को भी उजागर किया गया है, जिसे अवध की गहरी सैन्य परंपराओं और राष्ट्र की रक्षा में उसके विशिष्ट योगदान के संक्षिप्त विवरण के साथ खूबसूरती से पिरोया गया है।

सीतापुरः रिटायर्ड दरोगा के बेटे ने लैब टेक्नीशियन के सिर में मारी गोली, पुरानी रंजिश और विवाद के बाद वारदात

लोकतंत्र की शान ,अब्दुल्लाह खान ब्यूरो चीफ

सीतापुर (उत्तर प्रदेश): उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में शुक्रवार देर रात एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहाँ के कोतवाली देहात क्षेत्र के नैपालापुर इलाके में एक रिटायर्ड पुलिसकर्मी के बेटे ने मामूली विवाद के बाद लैब टेक्नीशियन की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

क्या है पूरा मामला? नैपालापुर निवासी रिटायर्ड हेड कांस्टेबल राजकुमार सिंह का दो मंजिला मकान है। इस मकान के ग्राउंड फ्लोर पर एक ब्लड बैंक (लैब) संचालित होता है, जिसकी जिम्मेदारी उनका 40 वर्षीय बेटा शिवेश सिंह संभालता था। इसी लैब में आजमगढ़ निवासी सतीश यादव (35) बतौर लैब टेक्नीशियन काम करता था। सतीश पिछले दो महीनों से ही यहाँ कार्यरत था और लैब के ऊपरी हिस्से में अन्य साथियों के साथ रहता था।

हत्या के बाद हॉस्पिटल

विवाद और हत्या का घटनाक्रम- बताया जा रहा है कि शिवेश और सतीश के बीच पहले से ही किसी बात को लेकर मनमुटाव चल रहा था। गुरुवार रात करीब 2 बजे दोनों के बीच किसी बात को लेकर तीखी बहस (तू-तू, मैं-मैं) शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि गुस्से में आकर शिवेश अपने पिता के कमरे में गया, अलमारी (अटैची) खोलकर पिता की लाइसेंसी रिवॉल्वर निकाली और सतीश के सिर में गोली मार दी।

मौके पर मची अफरा-तफरी- गोली की आवाज सुनकर आसपास सो रहे लोग और कर्मचारी जाग गए। जब वे मौके पर पहुंचे तो सतीश खून से लथपथ जमीन पर पड़ा मिला। आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस की कार्रवाई सूचना मिलते ही कोतवाली देहात पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुएः

आरोपी शिवेश सिंह को हिरासत में ले लिया है। वारदात में इस्तेमाल लाइसेंसी रिवॉल्वर बरामद कर ली गई है। लैब को फिलहाल सील कर दिया गया है। मृतक के परिजनों को सूचित कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अधिकारी का बयान- सीओ सदर नेहा त्रिपाठी के अनुसार, शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपी मानसिक रूप से बीमार था। हालांकि, हत्या की असली वजह और विवाद का मुख्य कारण क्या था, इसकी गहनता से जांच की जा रही है। प्रभारी निरीक्षक अमर सिंह ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

रमा जैन कन्या महाविद्यालय में वार्षिक समारोह धूमधाम से संपन्न, छात्राओं की प्रतिभा ने जीता सभी का दिल

» सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम, अदीबा शादाब ने शानदार प्रदर्शन कर हासिल किया द्वितीय स्थान

लोक तंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। शिक्षा के साथ-साथ छात्राओं के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रमा जैन कन्या महाविद्यालय में वार्षिक समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों एवं महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के प्रबंधक, शिक्षकों एवं गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह का संचालन डॉ. सविता वर्मा द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम को प्रभावशाली ढंग से आगे बढ़ाया। वार्षिक समारोह के दौरान छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे। रंगारंग प्रस्तुतियों में देशभक्ति गीत, लोकनृत्य, समूह नृत्य एवं अन्य रचनात्मक कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्राओं की ऊर्जा, आत्मविश्वास और मंच पर उनकी प्रस्तुति ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इसी क्रम में छात्रा अदीबा शादाब ने मंच पर अपनी शानदार परफॉर्मेंस से सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। उनकी प्रस्तुति को दर्शकों और उपस्थित अतिथियों द्वारा खूब सराहा गया। वार्षिक समारोह के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता में अदीबा शादाब ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जिससे उन्होंने महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। कार्यक्रम में दीक्षा, वामना, अंजना, मनीषा सहित अनेक छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। प्रत्येक प्रस्तुति में छात्राओं का उत्साह और मेहनत स्पष्ट रूप से देखने को मिली। समारोह के अंत में मुख्य अतिथियों द्वारा छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को अपनाने और जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित भी किया गया। अंत में महाविद्यालय प्रशासन द्वारा सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं छात्राओं का आभार व्यक्त किया गया। यह वार्षिक समारोह न केवल मनोरंजन का माध्यम बना, बल्कि छात्राओं के आत्मविश्वास और प्रतिभा को निखारने का एक सशक्त मंच भी साबित हुआ।

रामपुरः महिला की हत्या करने वाला 25 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर जनपद के थाना गंज क्षेत्र में महिला की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने महिला की हत्या कर फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह ने बताया कि आरोपी काफी समय से फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी। आरोपी पर 25,000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोच लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने हत्या की वारदात को स्वीकार किया, जिसके बाद उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है और आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में लोगों ने राहत की सांस ली है।

लखनऊ में पुलिस वाले ने पहले मस्जिद का wire काटा फिर धमकाया कि तुम्हें नमाज पढ़ने लायक नही छोड़ेंगें

लोक तंत्र की शान, अब्दुल्लाह खान

लखनऊ के थाना क्षेत्र कैन्ट से ये खबर आ रही है कि पुलिस वाले ने पहले जूते पहनकर मस्जिद के अन्दर दाखिल की फिर अजान के speaker का wire काटा और फिर धमकाया कि तुमलोगो को नमाज पढ़ने लायक नही छोड़ेंगे, और जो speaker पर अजान हो रही थी उसमें आवाज का Decibal government के द्वारा दिए गए लिमिट Range में ही आवाज की Decibal थी लेकिन फिर भी पुलिस वाले ने ऐसा दुस्साहस किया तब लोगो ने इसका विरोध किया और पुलिस वाले से थोड़ा और सवाल करने लगे, आपने ऐसा क्यों किया पहली बात तो मस्जिद हो या मन्दिर उसमें जूता या चप्पल पहन कर कोई अन्दर नही जाता है क्योंकि वो आस्था का स्थान है और वो पवित्र स्थान है सब धर्म में, और दूसरी बात अगर speaker का Decibal ज्यादा था तो मस्जिद के जिम्मेदारान को बुलाकर चेतावनी दे देते, खुद जाकर ऐसी हरकत करने क्या जरूरत थी।

महंगे कोर्स और ड्रेस से अभिभावकों की कमर टूटी, प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर उठे सवाल

» शिक्षा के नाम पर बढ़ता व्यापार, गरीब और मध्यम वर्ग पर बढ़ा आर्थिक बोझ

"प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर लगे रोक, शिक्षा को व्यापार न बनाए

लोक तंत्र की शान, खिज़र अहमद

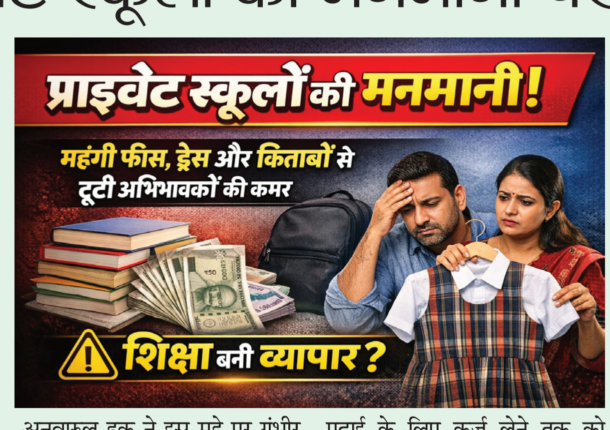

नजीबाबाद। देश में शिक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। जिस भारत की पहचान कभी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए होती थी, आज वही शिक्षा आम आदमी की पहुंच से दूर होती जा रही है। खासकर प्राइवेट स्कूलों की बढ़ती फीस, महंगे कोर्स और अनिवार्य ड्रेस ने अभिभावकों की कमर तोड़ दी है।विश्व मानवाधिकार परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मौलाना अनवारुल हक ने इस मुद्दे पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा के नाम पर खुलेआम व्यापार किया जा रहा है। हर साल निजी स्कूल अपनी मनमानी से फीस, किताबें और यूनिफॉर्म महंगी कर रहे हैं, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज लेने तक को मजबूर हैं, जबकि एनसीईआरटी की सस्ती किताबें उपलब्ध होने के बावजूद स्कूलों में उन्हें लागू नहीं किया जा रहा। मौलाना हक ने आरोप लगाया कि प्राइवेट स्कूल विभिन्न बोर्डों के नाम पर अलग-अलग कोर्स और ड्रेस थोपकर अभिभावकों से मनमानी वसूली कर रहे हैं। 100 रुपये की किताबें 1000 रुपये में और 700 रुपये का कोर्स 7000 रुपये तक बेचा जा रहा है, जो सीधा-सीधा आर्थिक शोषण है। उन्होंने यह भी कहा कि यूनिफॉर्म केवल निर्धारित दुकानों से ही खरीदने का दबाव बनाया जाता है, जिससे अभिभावकों के पास कोई विकल्प नहीं बचता। जबकि सरकार द्वारा इस संबंध में स्पष्ट गाइडलाइन जारी की गई है, लेकिन उनका पालन नहीं हो रहा। उन्होंने शासन, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगी, तो शिक्षा पूरी तरह व्यापार बन जाएगी। अंत में उन्होंने कहा कि अगर देश को आगे बढ़ाना है तो सभी को समान और सस्ती शिक्षा उपलब्ध करानी होगी। प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर सख्त कार्रवाई जरूरी है, तभी भारत शिक्षा के क्षेत्र में फिर से अपनी पहचान बना सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में अंबेडकर जयंती की तैयारी को लेकर मीटिंग, सुभाष निराला समारोह के अध्यक्ष

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में आगामी 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती समारोह की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा और विभिन्न आयोजनों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में वरिष्ठ समाजसेवी सुभाष कुमार निराला को समारोह का अध्यक्ष चुना गया। जयंती समारोह का आयोजन हाजीपुर के सुभाष चौक स्थित संस्कृत महाविद्यालय परिसर में किया जाएगा। इसमें गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम लोगों की बड़ी संख्या में भागीदारी की उम्मीद है। वक्ताओं ने बैठक में भारत रत्न डॉ. अंबेडकर के सामाजिक समानता, न्याय और संविधान निर्माण में दिए गए योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उनकी जयंती को सम्मानजनक ढंग से मनाने के लिए सभी वर्गों की भागीदारी आवश्यक है। कार्यक्रम में माल्यार्पण, संगोष्ठी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और जागरूकता अभियान जैसे आयोजन शामिल होंगे। इसका उद्देश्य डॉ. अंबेडकर के विचारों और योगदान को जन-जन तक पहुंचाना तथा समाज में समानता और भाईचारे का संदेश प्रसारित करना है। उपस्थित सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न जिम्मेदारियां तय कीं और इसे ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया। आयोजकों ने क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करें। बैठक में राम पुकार चौधरी, परमेश्वर पासवान, भीम शंकर चौधरी, नरेश पासवान, राजेश्वर चौधरी, आकाश जायसवाल, राजीव यादव, सुरेंद्र बैठा, विशेश्वर पासवान, संजय पासवान, राजू कुमार और अरुण कुमार पासवान सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

वैशाली में 1000 लीटर अवैध शराब जब्त, उत्पाद विभाग की बिदुपुर में छापेमारी, बोलेरो वाहन भी पकड़ा

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले में पूर्ण शराबबंदी के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला प्रशासन लगातार सघन छापेमारी अभियान चला रहा है। इसी कड़ी में, उत्पाद विभाग ने बिदुपुर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एक बोलेरो वाहन से लगभग 1000 लीटर अवैध चुलाई शराब जब्त की है। यह कार्रवाई जिला पदाधिकारी श्रीमती वर्षा सिंह (भा.प्र.से.) के निर्देश पर की गई। उत्पाद विभाग की टीम ने यह छापेमारी 10 अप्रैल 2026 को बिदुपुर थाना क्षेत्र के रहिमापुर में गुप्त सूचना के आधार पर की। मौके से बोलेरो वाहन को भी जब्त कर लिया गया।

अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई जारी है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि राज्य में लागू शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के प्रति "जीरो टॉलरेंस" की नीति अपनाई जा रही है। अवैध शराब के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इसके लिए नियमित छापेमारी अभियान चलाए जा रहे हैं और खुफिया तंत्र को भी सक्रिय किया गया है। जिला पदाधिकारी श्रीमती वर्षा सिंह ने बताया कि अवैध शराब कानून का उल्लंघन होने के साथ-साथ समाज के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि उन्हें अवैध शराब के निर्माण, बिक्री या परिवहन से संबंधित कोई जानकारी मिलती है, तो वे तुरंत प्रशासन या पुलिस को सूचित करें। इससे समय पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। श्रीमती सिंह ने नशामुक्त समाज के निर्माण में आमजन की भागीदारी को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जागरूक नागरिकों के सहयोग से ही इस सामाजिक बुराई पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध कारोबार में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी और उन्हें कानून के तहत सख्त सजा दिलाई जाएगी।

वैशाली में गैस सिलेंडर फटने से 8 घर जले, देसरी खड़गपुर बांध के पास भीषण आग, लाखों का नुकसान

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले में देसरी खड़गपुर बांध के समीप एक गैस सिलेंडर फटने से भीषण आग लग गई। इस घटना में करीब आठ घर आग की चपेट में आ गए और उनका सारा सामान, अनाज, जेवरात, बर्तन तथा फर्नीचर जलकर राख हो गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह हादसा देसरी खड़गपुर बांध के पास श्री भगवान राय के घर में हुआ। महिलाएं खाना बना रही थीं, तभी गैस रिसाव के कारण आग लग गई। एक सिलेंडर फटने के बाद आग तेजी से फैली, जिससे आसपास के घर भी इसकी चपेट में आ गए।

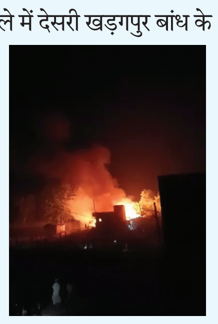

कुल मिलाकर चार गैस सिलेंडर एक के बाद एक करके फट गए। आग लगने की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और अग्निशमन दल को सूचित किया गया। आग इतनी तेजी से फैली थी कि इसे बुझाने के लिए दो बड़े और एक छोटा दमकल वाहन मंगाया गया। घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस घटना में लगभग 20 से 25 क्विंटल गेहूं, 12 क्विंटल सरसों और एक मोटरसाइकिल जलकर राख हो गई। देवबली राय की बेटी की शादी के लिए रखे गए फर्नीचर, बर्तन सहित सभी सामान भी आग की भेंट चढ़ गए। इस भीषण अग्निकांड में अनुमानित 10 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। जिन घरों में आग लगी है, उनमें प्रताप राय, सिताब राय, शंभू राय और देवबली राय के परिवार शामिल हैं।

मुजफ्फरपुर में 12 साल की बच्ची से दरिंदगी

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में 12 साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया है। वारदात के बाद बच्ची की हालत नाजुक बनी हुई है, उसे SKMCH में भर्ती कराया गया है। पिता ने कहा, मेरी बेटी की हालत बहुत खराब है, वो मरने की स्थिति में हैं, मुझे इंसाफ चाहिए। मामला मिठनपुरा थाना क्षेत्र का है। जहां बच्ची की मां की पहचान की दो महिलाएं उसे बहला फुसलाकर अपने साथ ले गईं। तीसरी महिला के साथ मिलकर उसे किराए के मकान में पहुंचाया, जहां वारदात को अंजाम दिया गया। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन पड़ोसी महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मौके से सबूत जमा किए हैं। FSL की टीम ने भी सैंपल जमा किए हैं। मुख्य आरोपी (36) फिलहाल फरार है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार तीनों महिलाएं पीड़ित बच्ची के परिवार से परिचित है। आरोप है कि तीनों महिलाएं बच्ची को बहला-फुसलाकर एक किराए के मकान में ले गईं, जहां पहले से मौजूद एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। परिजनों ने तीनों पर मामले को दबाने का भी आरोप लगाया है।

जब बच्ची की हालत बिगड़ने लगी, तो आरोपी महिलाओं ने उसे कुछ दवाइयां देकर चुप कराने का प्रयास किया। हालांकि, बच्ची की स्थिति बिगड़ने पर सभी मौके से फरार हो गईं। जानकारी मिलते ही परिवार के सदस्यों ने पुलिस को सूचना दी। बच्ची की हालत गंभीर बनी हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए SKMCH रेफर किया गया है। बच्ची के पिता ने बताया, 'तीनों महिलाएं बच्ची को फुसलाकर साथ ले गई थीं। उसके साथ रेप करवाया। मैं भूंजा बेच रहा था। लौटा जो पता चला बच्ची के साथ ऐसा हुआ है। इसके बाद मैं उन महिलाओं के पास गया। बच्ची की स्थिति बहुत खराब है। मरने की की हालत में SKMCH में भर्ती है।' पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में पता चला है कि वारदात में शामिल तीन महिलाएं देह व्यापार से जुड़ी थीं। वे इस काम में खुद जुड़ी थीं या किसी और से कराती थीं, ये जानकारी जुटाई जा रही है। गिरफ्तार की गई तीनों महिलाओं में से कोमल के घर अक्सर नए-नए लोगों का आना-जाना लगा रहता था। कोमल ने ये मकान कुछ महीने पहले ही किराए पर लिया था। बच्ची का इलाज कर रहे डॉक्टर का कहना है कि पीड़िता की हालत ठीक नहीं है। वो बातचीत करने की स्थिति में नहीं है। वहीं, पीड़िता की मां भी फिलहाल घटना के बारे में कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं है। सिटी डीएसपी सुरेश कुमार की ओर से जानकारी दी गई है कि गिरफ्तार की गई तीनों आरोपी महिलाएं और पीड़िता की मां पहले से परिचित हैं। उन्होंने बताया कि तीनों महिलाओं की पहचान कोमल, सुधा और गुड़िया के रूप में हुई है। बच्ची से जिस मकान में रेप की वारदात को अंजाम दिया गया, वो मकान कोमल का है।

खुसरूपुर में पार्सल वैन ने स्कूल वैन को मारी टक्कर, चार लोग घायल

लोकतंत्र की शान, पटना

गंभीर हालत में पटना रेफर, ड्राइवर धराया

पटना के खुसरूपुर प्रखंड में शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ। कटौना-हरदास बीघा फोरलेन पर तेज रफ्तार पार्सल वैन ने स्कूल वैन को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में चालक समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। घायलों की पहचान चालक नीतीश कुमार (26), व्यादार सिंह (20), अंकित कुमार (17) और मुन्ना कुमार (28, निवासी डुमरी) के रूप में हुई है।

बच्चों को लेने जा रही थी स्कूल वैनः जानकारी के मुताबिक, अरोड़ा इंटरनेशनल स्कूल की मैजिक वैन (BR 01 PF 0332) पास के गांव बच्चों को लेने जा रही थी। उस समय वैन में बच्चे नहीं थे, लेकिन चार स्थानीय लोग सवार थे। इसी दौरान बख्तियारपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार पार्सल वैन (BR 01 GN 7743) ने स्कूल वैन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

टक्कर के बाद चालक भागने की कोशिशः हादसे के बाद पार्सल वैन का चालक मौके से फरार होने की कोशिश करने लगा, लेकिन स्थानीय लोगों की सक्रियता से उसे पकड़ लिया गया। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों और खुसरूपुर थाना पुलिस ने घायलों को वाहन से बाहर निकाला। सभी घायलों को गंभीर हालत में पटना के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कुछ देर के लिए जाम, फिर सामान्य हुआ यातायातः हादसे के कारण फोरलेन पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। मौके पर पहुंची खुसरूपुर थाना पुलिस ने हालात को नियंत्रित कर ट्रैफिक सामान्य कराया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त पार्सल वैन (BR 01 GN 7743) को जब्त कर लिया है।

पुलिस ने वैन जब्त कर शुरू की जांचः खुसरूपुर थाना अध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजा गया। दुर्घटनाग्रस्त पार्सल वैन को जब्त कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है।

स्लैब के नीचे फंसा मजदूर, स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला

लोकतंत्र की शान, पटना

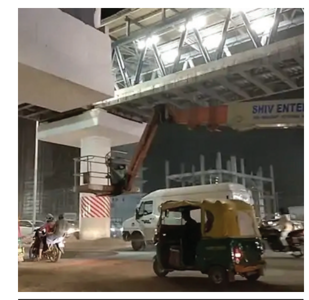

♦ पटना के भूतनाथ मेट्रो स्टेशन पर हादसा, हालत स्थिर, सहकर्मियों पर मदद के बजाए वीडियो बनाने के आरोप

पटना मेट्रो में निर्माण कार्य के बीच एक बड़ा हादसा हुआ है। शुक्रवार देर शाम भूतनाथ मेट्रो स्टेशन के निर्माण कार्य के दौरान एक मजदूर स्लैब के नीचे फंस गया। यहां क्रेन के जरिए भारी स्लैब को सेट करने का काम किया जा रहा था। उसी दौरान नीचे काम कर रहा एक मजदूर, अचानक मशीनरी के बीच फंस गया, जिसके बाद मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों और सहकर्मियों की मदद से काफी मशक्कत के बाद मजदूर को बाहर निकाला गया। घायल मजदूर की पहचान सीवान जिले के निवासी सतीश कुमार के रूप में हुई है, जो मेट्रो परियोजना में कार्यरत है।

मेट्रो की जनसंपर्क पदाधिकारी अर्चना खुशी ने कहा कि, मजदूर क्रेन और स्लैब के बीच में फंस गए थे। राहत कार्य के बाद उन्हें बाहर निकाला गया है। उन्हें स्थानीय अस्पताल में एडमिट कराया गया है। उनकी MRI कराई गई है और अभी वह खतरे से बाहर है। वह अभी अंडर ऑब्जर्वेशन है और पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद ही अस्पताल से छुट्टी मिलेगी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शुरुआती कुछ मिनटों तक स्थिति बेहद गंभीर बनी रही, क्योंकि मजदूर पूरी तरह मलबे और स्लैब के नीचे फंसा हुआ था। स्थानीय लोगों और सहकर्मियों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद मजदूर को बाहर निकाला गया।

25 हजार का इनामी अपराधी मनीष पांडेय गिरफ्तार, सहरसा पुलिस की बड़ी सफलता

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः सहरसा पुलिस को अपराध नियंत्रण अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। 25,000 के इनामी कुख्यात अपराधी मनीष पांडेय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान की गई। जानकारी के अनुसार, जिले में फरार, वांछित एवं इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी और अवैध हथियारों की बरामदगी को लेकर लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सहरसा सदर थाना कांड संख्या 228/24, दिनांक 06.03.2024, धारा 392 भादवि के तहत वांछित टॉप-10 अपराधी मनीष पांडेय को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि मनीष पांडेय, पिता शत्रुघ्न पांडेय, साकिन–सोग्रहा, थाना–फुलवरिया, जिला–बेगूसराय का निवासी है। उसे बिहार एसटीएफ और सहरसा पुलिस की संयुक्त छापेमारी में फुलवरिया थाना क्षेत्र से दबोचा गया।

अपराधी का आपराधिक इतिहास भी रहा है गंभीर-मनीष पांडेय के खिलाफ पहले भी कई मामले दर्ज हैं, जिनमें प्रमुख रूप से—

- बेगूसराय नगर थाना कांड संख्या 463/2024 (दिनांक 19.08.2024) धारा 8/20(B)(ii)(c) NDPS Act
- बखरी थाना कांड संख्या 27/2023 (दिनांक 15.01.2023) धारा 356/379 भादवि

सहरसा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। आम नागरिकों की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

LPG वितरण व्यवस्था पर सख्तीः 100% DAC अनिवार्य, अनियमितता पर होगी कड़ी कार्रवाई

लोकतंत्र की शान

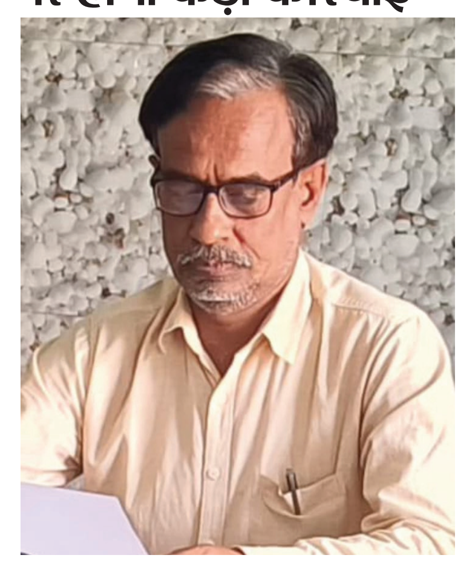

सहरसा | मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिला प्रशासन द्वारा आयोजित समीक्षा बैठक में जिले में LPG गैस वितरण व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए। बैठक में इंडियन ऑयल (IOCL), भारत पेट्रोलियम (BPCL) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (HPCL) की एजेंसियों के प्रतिनिधि एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिया कि घरेलू गैस सिलेंडर वितरण में 100% DAC (डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड) प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू किया जाए। बिना DAC के किसी भी उपभोक्ता को सिलेंडर की डिलीवरी नहीं की जाएगी। इससे वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और फर्जी डिलीवरी पर रोक लगेगी। वहीं, व्यावसायिक (कमर्शियल) सिलेंडरों के वितरण पर भी विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। प्रशासन ने कहा कि कमर्शियल सिलेंडर केवल सत्यापित और अधिकृत उपभोक्ताओं को ही उपलब्ध कराए जाएं, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता या दुरुपयोग को रोका जा सके। बैठक में विभिन्न गैस कंपनियों के प्रदर्शन की भी समीक्षा की गई। इंडेन (IOCL), भारत गैस (BPCL) और एचपी गैस (HPCL) एजेंसियों के लंबित मामलों एवं वितरण की स्थिति पर चर्चा करते हुए सुधार के निर्देश दिए गए। जिला प्रशासन ने यह भी चेतावनी दी कि वितरण नियमों का उल्लंघन, कालाबाजारी या किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित एजेंसियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। अंत में जिला प्रशासन ने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे गैस बुकिंग समय पर करें और डिलीवरी के समय DAC प्रणाली का सहयोग करें, ताकि वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और सुचारु बनाया जा सके।

"शोध गुणवत्ता और नैतिकता को नई दिशाः सीवी रमन विश्वविद्यालय वैशाली में पाँच दिवसीय राष्ट्रीय FDP का सफल आयोजन"

लोकतंत्र की शान

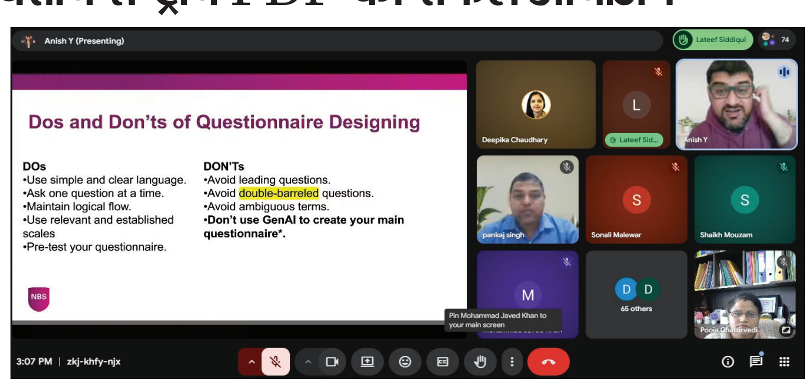

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली, बिहार द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग, डेवलपमेंट एंड पॉलिसी रिसर्च (आईटीडीपीआर) एवं आईसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज के सहयोग से "प्रबंधन, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी में अनुसंधान क्षमता संवर्धनः विधियां, नैतिकता एवं प्रभाव" विषय पर पाँच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का सफल आयोजन 07 से 11 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन माध्यम में किया गया। इस कार्यक्रम में देशभर से लगभग 300 शोधार्थियों एवं शिक्षकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान दिए गए। सत्र विशेषताएँ के अंतर्गत प्रथम दिवस पर डॉ. कनिष्का पाठक (आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल, हैदराबाद) ने शोध समस्या की पहचान एवं गैप एनालिसिस पर प्रकाश डाला। द्वितीय दिवस पर डॉ. पंकज के. सिंह (आईबीएस, हैदराबाद) ने साहित्य समीक्षा एवं शोध रूपरेखा की विस्तृत जानकारी दी। तृतीय दिवस पर डॉ. अनीश यूसुफ (नॉटिंघम बिजनेस स्कूल, एनटीयू, यूके) ने प्रश्नावली निर्माण एवं डेटा संग्रहण की प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप से समझाया। चतुर्थ दिवस पर डॉ. जितेंद्र यादव (आईआईएम, बोधगया) ने डेटा विश्लेषण तकनीकों पर मार्गदर्शन दिया, जबकि अंतिम दिवस पर डॉ. मो. सिकंदर आज़म (आईबीएस, हैदराबाद) ने शोध नैतिकता एवं प्रकाशन प्रक्रिया पर महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। यह कार्यक्रम श्री संतोष चौबे (चेयरमैन, आईसेक्ट समूह), श्री अरविंद चतुर्वेदी (कुलाधिपति, सीवीआरयू, बिहार)), डॉ. समित तिवारी (कुलपति), डॉ. बसंत कुमार सिंह (प्रतिकुलपति) एवं डॉ. ब्रिजेश सिंह (कुलसचिव) के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। संयोजक डॉ. मो. वसीम अख्तर तथा सह-संयोजक डॉ. पूजा चतुर्वेदी (आरएनटीयू, भोपाल) एवं डॉ. नादिर कमाल (सीवीआरयू, बिहार) ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। संयोजक डॉ. मो. वसीम अख्तर ने इसे शोध गुणवत्ता में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया, वहीं सह-संयोजकों ने इसे शोध संस्कृति को सुदृढ़ करने वाला प्रयास बताया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। यह FDP शोध कौशल एवं नैतिकता के विकास में प्रभावी सिद्ध हुआ।

NH-107 बायपास पर निर्माणाधीन ROB का डीएम ने किया निरीक्षण कार्य में तेजी के निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा , मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः सिमरी बख्तियारपुर प्रखंड अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-107 के बायपास पर निर्माणाधीन रेल ओवरब्रिज (ROB) का आज जिला पदाधिकारी श्री दीपेश कुमार ने निरीक्षण किया। भ्रमण कार्यक्रम के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अभियंता को निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि पहुंच पथ (एप्रोच रोड) का निर्माण कार्य भी यथाशीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि आम लोगों को जल्द से जल्द सुविधा मिल सके। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी, सिमरी बख्तियारपुर श्री आलोक रॉय, वरीय उप समाहर्ता श्री राजू कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

काला चश्मा-ट्रैक सूट अलग अंदाज में दिखे अनंत सिंह

लोकतंत्र की शान, पटना

मोकामा से जदयू विधायक अनंत सिंह इन दिनों अपने बेटे अभिनव को घुड़सवारी सिखा रहे हैं। उनकी एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें वह पटना के जेपी सेतु के पास काला चश्मा और काले ट्रैक सूट में नजर आ रहे हैं। उनका एक वीडियो भी है, जिसमें वे करीब 2.5 करोड़ की रेंज रोवर में बैठकर घोड़े को दौड़ाते दिख रहे हैं। घोड़े पर उनका केयरटेकर सवार है, जो उसे कंट्रोल कर रहा है। अनंत सिंह गाड़ी में बैठे-बैठे ही उसे कमांड देते नजर आ रहे हैं। अनंत सिंह को घोड़ों का काफी शौक है। उनके पास कई महंगे घोड़े हैं। जिस काले घोड़े के साथ अभिनव नजर आ रहे हैं, वह उनके कीमती घोड़ों में से एक है।

छोटे बेटे को घुड़सवारी की ट्रेनिंग दे रहे अनंत सिंहः इससे पहले भी एक वीडियो सामने आया था, जो पटना स्थित उनके आवास का था। उस वीडियो में अनंत सिंह कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे थे, जबकि उनका बेटा अभिनव सफेद घोड़े पर सवार होकर आता है और उसे रोकने की कोशिश करता है। इस दौरान अनंत सिंह उसे समझाते हुए कहते हैं, 'धीरे-धीरे, आराम से।' बेटे को घुड़सवारी सिखाने का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनव काले घोड़े पर सवार नजर आ रहा है। इस वीडियो में भी अनंत सिंह बेटे को घोड़े पर संतुलन बनाने के गुर सिखाते दिख रहे हैं।

तेजस्वी बोले, लालू नहीं झुके तो बेटा भी नहीं झुकेगा

लोकतंत्र की शान, पटना

♦ आने वाला दिन हमारा होगा, पटना में राजद अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का अभिनंदन समारोह

पटना के श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में आज राजद अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का अभिनंदन समारोह हो रहा। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कृष्ण मेमोरियल हॉल पहुंचे हैं, जहां कार्यकर्ताओं ने चांदी का मुकुट पहना कर उनका भव्य स्वागत किया। तेजस्वी ने कहा कि ओसामा पर झूठा केस किया गया है। आप लोगों ने देखा ही है। हमलोग पर कई केस किया गया, जब लालू जी नहीं झुके बेटा भी नहीं झुकेगा। आने वाला दिन हमलोगों का होगा। आपलोगों के अल्पसंख्यक समाज ने हमेशा हमारा साथ दिया है। कार्यक्रम में राज्यभर से अल्पसंख्यक समाज के लोग पहुंचे हैं। अभिनंदन समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री अली अशरफ फातमी, प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल और डॉ. अनवर आलम के साथ राजद के तमाम नेता मौजूद हैं।

पार्टी के आगामी रणनीतियों पर भी मंथनः कार्यक्रम के जरिए अल्पसंख्यक समाज के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता को दोहराने के साथ-साथ आगामी राजनीतिक रणनीतियों पर भी चर्चा की जा रही है। इस मौके पर प्रकोष्ठ के कई वरिष्ठ नेता मौजूद हैं।

BJP और RSS तानाशाही चाहती हैः तेजस्वी ने कहा कि हमलोगों को संगठन को मजबूत करना है। देश में जो चल रहा उसका समझने की जरूरत है। । इस वक्त अपनों से नहीं, दुश्मनों से लड़ने का है। कुछ नेता जो हिन्दू हो, मुलसमान हो, जो भड़काऊ भाषण देता है। उसका विरोध होना चाहिए। सब लोग यहां जुटे हैं, सब को एक साथ रहना है। हमसे कुछ गलतियां हुई होगी, मिल जुल कर सबके लिए काम करेंगे। तेजस्वी ने ये भी कहा कि कार्यक्रम स्थल छोटा पर गया है। किसी और जगह आयोजन करना चाहिए था। भारी संख्या में लोग पहुंचे हैं।

बिहार बदहाल हो चुका हैः तेजस्वी ने कहा कि सीएम कौन बनेगा, पता नहीं। बिहार बदहाल हो चुका है, लोगों ने बर्बाद कर दिया। बिहार में लॉ एंड ऑर्डर खत्म हो चुका है। नौजवानों की बात नहीं होती है, शिक्षा के ऊपर बात नहीं होती है, स्वास्थ्य के ऊपर बात नहीं होती है। पहले 5 साल में एक बार सरकार बनती थी, अब एक ही सरकार दोबारा बनती है। तंत्र-मंत्र से सरकार बनती है। पिछले 2 महीने से एक भी कैबिनेट की बैठक नहीं हुई है। इसके ऊपर कोई चर्चा ही नहीं कर रहा है। सरेआम सड़क पर गला काट दिया जा रहा है। बच्ची के साथ गैंगरेप किया जा रहा है, Tre 4 क्या हुआ भगवान जाने। अस्पताल में दवाई और स्ट्रेचर नहीं मिल रहा है। सरकार में जो लोग हैं चिंता इस बात की नहीं चिंता सिर्फ कुर्सी की है। नीतीश कुमार को इन लोगों ने फंसा दिया है।

संक्षिप्त समाचार

रामपुर में श्री बालाजी महाराज जन्मोत्सव को लेकर महंत अभिषेक मिश्रा ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस, शोभायात्रा की तैयारियां पूर्ण

लोकतंत्र की शान , मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर। श्री बालाजी महाराज के पावन जन्मोत्सव एवं 58वें वार्षिक उत्सव के अवसर पर आयोजित होने वाली विशाल शोभायात्रा को लेकर द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में समिति के महंत अभिषेक मिश्रा जी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष भी श्री बालाजी महाराज की भव्य शोभायात्रा पूरे धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ निकाली जाएगी।44वी शोभा यात्रा है। महंत अभिषेक मिश्रा जी ने बताया कि शोभायात्रा दिनांक शनिवार 11 अप्रैल को रामपुर में निकलीगी, जो गांधी समाधि स्थल से प्रस्थान करेगी। शोभायात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल होंगे और पूरे नगर में भक्तिमय वातावरण देखने को मिलेगा। उन्होंने बताया कि शोभायात्रा के दौरान आकर्षक झांकियां, भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़े एवं धार्मिक जयकारों के साथ श्री बालाजी महाराज की भव्य आरती व पूजन किया जाएगा। इसके साथ ही समिति द्वारा सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। महंत अभिषेक मिश्रा जी ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शोभायात्रा में शामिल होकर श्री बालाजी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह आयोजन रामपुर की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा को मजबूत करने का कार्य करता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान समिति के अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी मौजूद रहे और सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया।

संघटक राजकीय महाविद्यालय हसनपुर में महात्मा ज्योतिबा फुले की जन्म जयंती पर हुए कार्यक्रम

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर : शनिवार को संघटक राजकीय महाविद्यालय हसनपुर अमरोहा में महात्मा ज्योति बा फुले की जन्म जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. !कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ राहुल चौधरी ने की और संचालन डॉ मदन पाल सिंह ने किया. !अध्यक्षता करते हुए डॉ राहुल जी ने महात्मा ज्योति बा फुले के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा की महात्मा ज्योति बा फुले ने सदियों से शोषित पीड़ित उपेक्षित समाज मैं शिक्षा की अलख जगाकर समाज की मुख्यधारा से जोड़कर राष्ट निर्माण मैं उनकी भूमिका का योगदान किया. राजनीति विज्ञानं के डॉ मनोज जाटव ने कहा की ज्योतिबा फुले समाजिक समानता सामाजिक समरसता के ऐसे महादूत थे जिन्होंने शिक्षा के माध्यम से समाज के रुड़ियों क्रो तोड़कर समरस समाज के निर्माण मैं अपना योगदान दिया ऐसे महा मानव की जन्म जयंती पर शत शत नमन. कार्यक्रम मैं मुख्य रूप से. डॉ परमजीत कौर. डॉ नरेन्द्र सिंह डॉ मगेंद्र पाल यादव. डॉ विक्की सिंह. डॉ गजेंद्र सिंह. डॉ डी के अग्निहोत्री. डॉ गिरेंद्र सिंह. डॉ अनिल कुमार डॉ कपिल वर्मा. डॉ दीपक तलान. गुड्ड. आदि ने भाग लिया.

बाराबंकीः 2.34 करोड़ की लागत से बनने वाली गौशाला का भूमि पूजन, विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा ने किया शुभारंभ

लोकतंत्र की शान : अब्दुल्लाह खान ब्यूरो चीफ ,बाराबंकी जनपद के फतेहपुर नगर पंचायत अंतर्गत कटघरा लहसी में शनिवार को एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 2 करोड़ 34 लाख की लागत से बनने वाली आधुनिक गौशाला का विधि-विधान से भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

किसानों को मिलेगी राहत, पशुओं को मिलेगा आश्रय–सभा को संबोधित करते हुए विधायक वर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार निराश्रित गोवंश की समस्या के समाधान के लिए पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने जोर देकर कहाः "इस गौशाला के बनने से बेसहारा पशुओं को सुरक्षित आश्रय मिलेगा, जिससे किसानों की फसलों को होने वाले नुकसान में भारी कमी आएगी। साथ ही, यह परियोजना क्षेत्र में पशुपालन को बढ़ावा देने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगी।"

विकास के प्रति प्रतिबद्धता–विधायक ने आगे कहा कि सरकार ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। फतेहपुर नगर पंचायत में सड़क, जल निकासी और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने भविष्य में भी क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास जारी रखने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद–कार्यक्रम का सफल संचालन अंशुमान मिश्रा ने किया। इस मौके पर पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप सेः पार्टी पदाधिकारीः जिला उपाध्यक्ष शील रत्न मिहिर, जिला मंत्री रजनीश कुमार वर्मा,वीरेंद्र सिँह पिंटू,मंडल अध्यक्ष करुणा शंकर शुक्ला, रंजीत कुमार लोधी, महंत हेमंतदास, टीनू जैन, दयाशंकर जोशी, राकेश गुप्ता, विजय गुप्ता, रामचंद्र वर्मा, सतीश कुमार और प्रांजल सिंह।

प्रशासनिक अधिकारीः नगर पंचायत की ईओ संध्या मिश्रा और अधिकारी-कर्मचारी ने भूमि पूजन के पश्चात अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नगरवासी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिससे वातावरण पूरी तरह सौहार्दपूर्ण बना रहा

कॉलेजी छात्राओं का 10 किलोमीटर तक पीछा, फिर छेड़ख़ानी

» सेमरिया में मनचलों की दबंगई पर फूटा गुस्सा
» छात्राओं ने दिखाई हिम्मत तीन आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सेमरिया के हनुमानगढ़ तिराहा में शनिवार दोपहर एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जिसने पूरे इलाके को झकझोर दिया। सीधी कॉलेज में पढक़र घर लौट रही छात्राओं का बाइक सवार तीन युवकों द्वारा 10 किलोमीटर पीछा करने और छेड़ख़ानी की वारदात ने लोगों में भारी आक्रोश पैदा कर दिया। हालांकि इस दौरान छात्राओं ने घबराने के बजाय साहस का परिचय दिया और स्थानीय लोगों की मदद से आरोपियों को पकड़वा दिया। मिली जानकारी के अनुसार, छात्राएं बस से अपने गांव लौट रही थीं। इसी दौरान सीधी से ही बाइक सवार तीन युवक जानू साकेत पिता मुन्ना साकेत उम्र 20 वर्ष, धर्मेंद्र साकेत पिता छगोले साकेत उम्र 20 वर्ष और लक्ष्मण साकेत पिता कामता साकेत उम्र 20 वर्ष सभी निवासी ग्राम करगिल थाना जमोड़ी लगातार करीब 10 किलोमीटर तक सीधी से सेमरिया तक उनका पीछा करते रहे। जैसे ही छात्राएं हनुमानगढ़ तिराहा के पास बस से उतरीं, तीनों युवकों ने उन्हें घेर लिया और मोबाइल नंबर मांगने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने छात्राओं का हाथ पकड़ लिया और उनके साथ अशोभनीय हरकतें करने लगे। जहां इस घटना से सहमी छात्राएं जोर-जोर से चिल्लाने लगीं। उनकी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पीड़ित छात्राओं ने जब पूरी घटना बताई तो लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। स्थानीय लोगों ने तीनों युवकों को मौके पर ही पकड़ लिया। इस दौरान छात्राओं ने भी हिम्मत दिखाते हुए मनचलों का विरोध किया और उन्हें सबक सिखाने में पीछे नहीं रहीं। प्रत्यक्षदर्शी रामू कोल के अनुसार जैसे ही लड़कियों ने शोर मचाया, ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और आरोपियों को छात्राओं से अलग किया। इसके बाद उन्हें पकडक़र पुलिस को सूचना दी गई। वहीं सूचना मिलते ही सेमरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

सरपंच घराने से संबंधित हैं तीनों मनचले

सीधी से 10 किलोमीटर दूर सेमरिया तक बस का पीछा करने वाले बाइक सवार तीनों मनचले सरपंच घराने से संबंधित हैं। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत करगिल सरपंच मुन्ना साकेत का पुत्र जानू साकेत है। वहीं दो आरोपियों के पिता सरपंच पद के उम्मीदवार रहे। तीनों आरोपी लंबे समय से सीधी शासकीय कॉलेज के समीप ही अधिकांश समय गुजारते थे। इनका ठिकाना कॉलेज के आसपास लगने वाली चाय नास्ते ही दुकानें थी। कॉलेज लगने एवं अवकाश होने के दौरान यह मुख्य रूप से कॉलेज के आसपास मौजूद रहते थे और वहां से गुजरने वाली छात्राओं पर नजर रखते थे। जिन छात्राओं का पीछा करके यह तीनों मनचले सेमरिया तक पहुंचे उनके द्वारा काफी समय से कॉलेज के आसपास रैकी की जा रही थी। गलत मंशा के साथ ही तीनों आरोपी बाइक में सवार होकर छात्राओं के वाहन का पीछा करते हुए सेमरिया तक पहुंच गए। यहां छात्राओं को घेरकर इनके द्वारा उनसे मोबाइल नंबर मांगने की जिद की जा रही थी। जिसके बाद छात्राओं द्वारा हल्ला मचाया गया।

इनका कहना है। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और तीनों आरोपियों को पकडक़र सेमरिया थाना लाया गया। यहां आरोपियों के विरुद्ध धारा 170 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। केदार परौहा, थाना प्रभारी सेमरिया।

चुरहट में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने में छूट रहा पसीना

» तहसीलदार पर लग रहे लापरवाही के आरोप,
» भाजपा मंडल अध्यक्ष ने लिखा था एसडीएम को पत्र

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। जिले के चुरहट नगर परिषद अंतर्गत सडक़ के किनारे किए गए अतिक्रमण की स्थल जांच पटवारी द्वारा लोगों के समक्ष 18 मार्च 2026 को की गई। जांच के दौरान पाया गया कि ग्राम चुरहट की आराजी नंबर 1074 रकवा 0.709 हे. मप्र शासन सड़क अभिलेख में दर्ज है। सड़क के पूर्वी सीमा में स्थित नाला के ऊपर दो पक्की दुकानों का निर्माण कराया गया है। दुकानों की माप में 7.20 गुणे 3 मीटर पक्की दो दुकानों का निर्माण पाया गया। उपस्थित लोगों ने बताया कि दुकानों का निर्माण अभिमन्यु सिंह, शिवप्रताप सिंह द्वारा कराया गया है। मौके पर सडक़ के पूर्वी सीमा पर शिवम सिंह, रियाज खान, मुकेश सेन, राजकुमार साहू की अस्थाई गोमती मिली। सडक़ के पश्चिमी सीमा में रामबहोर पाण्डेय, अनित पटेल, रामप्रसाद मिश्रा, चूड़ामणि पटेल, अनिल पटेल, बाबू खान की अस्थाई गोमती मिली। इसके अलावा सडक़ के उत्तरी सीमा पर रामबहोर पाण्डेय, प्रेमकांत पाण्डेय, दीपक सेन, रामायण कचेर, अशोक गुप्ता की अस्थाई गोमती मिली। उक्त पंचनामा कार्रवाई के पश्चात अग्रिम कार्रवाई के लिए तहसीलदार चुरहट के यहां प्रतिवेदन भेजा जाएगा। बता दें कि नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत फैले विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण हटाने के लिए नगर परिषद चुरहट द्वारा भी कई बार तहसीलदार को पत्र लिखा गया लेकिन उनके पत्र का भी कोई असर नहीं दिखा।

तीन माह से लापता नाबालिग किशोरी उत्तर प्रदेश के कौशांबी से बरामद, आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। प्रदेश स्तर पर गुमशुदा बच्चों की दस्तयाबी हेतु पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान मुस्कान के अंतर्गत सीधी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस ने जनवरी माह से लापता एक नाबालिग किशोरी को उत्तर प्रदेश के कौशांबी से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के चेहरे पर मुस्कान वापस लौटाई है। पुलिस के अनुसार विगत 9 जनवरी को पीड़ित परिजनों ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी नाबालिग पुत्री घर से अचानक लापता हो गई है। परिजनों द्वारा सगे संबंधियों और आस पड़ोस में काफी तलाश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्रकरण पंजीबद्ध कर तलाश शुरू की थी। शुरुआती जांच में किशोरी का कोई पता नहीं चल सका था, किंतु हाल ही में थाना प्रभारी कोतवाली को मुखबिर तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों से सूचना प्राप्त हुई कि किशोरी उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी द्वारा एक विशेष टीम का गठन कर तत्काल कौशांबी रवाना किया गया। पुलिस टीम ने कौशांबी पहुंचकर तत्परता दिखाते हुए किशोरी को दस्तयाब किया। जांच में यह तथ्य सामने आया कि आरोपी ने बहला-फुसलाकर किशोरी का अपहरण किया था और उसे अपने साथ ले गया था। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को भी हिरासत में ले लिया है, जिसके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। अभियान मुस्कान का मुख्य उद्देश्य बिछड़े हुए बच्चों को उनके परिवार से मिलाना है। सीधी पुलिस इस अभियान के तहत पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय, सहायक उप निरीक्षक सुनील पाण्डेय एवं आरक्षक शिवेंद्र मिश्रा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।

रॉयल पब्लिक स्कूल के छात्रों ने किया न्यायालय भ्रमण

» न्यायिक प्रक्रिया को करीब से समझाने का किया प्रयास

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। रॉयल पब्लिक स्कूल, चुरहट के विद्यार्थियों ने विद्यालय प्रबंधन के नेतृत्व में न्यायालय का शैक्षणिक एवं विधिक जागरूकता भ्रमण किया। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को न्यायिक व्यवस्था की वास्तविक कार्यप्रणाली से अवगत कराना, उनमें कानून के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति संवेदनशील बनाना रहा। न्यायालय परिसर पहुंचने पर विद्यार्थियों का स्वागत अधिवक्ताओं एवं न्यायालय स्टाफ द्वारा किया गया। इस दौरान छात्रों को अधिवक्ता चैंबर, जुडिशियल लॉकअप, कोर्ट रूम एवं मालखाना सहित विभिन्न न्यायालय कक्षों का अवलोकन कराया गया। विद्यार्थियों ने प्रत्यक्ष रूप से देखा कि किस प्रकार मामलों की सुनवाई होती है, वकीलों द्वारा पक्ष एवं विपक्ष में तर्क प्रस्तुत किए जाते हैं तथा साक्ष्यों के आधार पर न्यायाधीश द्वारा निर्णय दिया जाता है। भ्रमण के दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी लालता सिंह, वर्षा भालवी, विजया विश्वकर्मा एवं राहुल त्रिपाठी ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को कानून की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया, गवाहों के बयान, साक्ष्य की भूमिका, पुलिस के कर्तव्य तथा सिविल और क्रिमिनल मामलों के अंतर को सरल एवं सहज भाषा में समझाया। विद्यार्थियों ने जिज्ञासावश अनेक प्रश्न पूछे, जिनका संतोषजनक उत्तर देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया गया। इस अवसर पर न्यायाधीशों ने कहा कि कानून का ज्ञान न केवल हमें अपराधों से बचाता है, बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक बनने में भी सहायक होता है। बच्चों को प्रारंभ से ही अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। विद्यालय के संचालक राजेश गुप्ता ने अपने संदेश में कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इससे बच्चों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होता है और वे एक जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में आगे बढ़ते हैं। इस अवसर पर वाइस प्रिंसिपल राजेंद्र पटेल, एकेडमिक हेड मनीष सेन, वरिष्ठ शिक्षक सुजीत सिंह, विनय नामदेव, स्वाति सिंह, रोली सिंह सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। न्यायालय के न्यायाधीशगण, कोर्ट स्टाफ एवं अधिवक्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाया। भ्रमण के अंत में विद्यार्थियों को चॉकलेट एवं मिष्ठान वितरित किए गए, जिससे उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। विद्यार्थियों ने इस भ्रमण को ज्ञानवर्धक, रोचक एवं प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि यह अनुभव उनके लिए हमेशा यादगार रहेगा। इस पहल की अभिभावकों एवं बुद्धिजीवियों द्वारा भी सराहना की जा रही है।

आज सुबह 9 से शाम 5 बजे तक विद्युत आपूर्ति रहेगी बंद, जरूरी काम निपटाले

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः आज रविवार को हसनपुर टाउन क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक बंद रहेगी, इसलिए उपभोक्ता विद्युत संबंधी जरूरी काम सुबह 9 से पहले निपटाले तथा पानी आदि की वैकल्पिक व्यवस्था कर ले, यह जानकारी कार्यालय उपखंड अधिकारी विद्युत वितरण उपखंड प्रथम पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड हसनपुर के अबर अभियंता (जे ई) अजय कुमार के द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई, विज्ञप्ति के माध्यम से बताया गया कि निगम हित में 12.4.2026 दिन रविवार को 33/11केवी० हसनपुर टाउन में वी. सी. बी. बदलने का कार्य प्रस्तावित है, उक्त कार्य को करने हेतु हसनपुर टाउन की विद्युत आपूर्ति प्रातः 9 बजे से शाम 5 बजे तक बाधित रहेगी, कार्यालय द्वारा उपभोक्ताओं से विद्युत संबंधित कार्य सुबह 9 बजे से पूर्व निपटाने एवं पानी आदि की वैकल्पिक व्यवस्था करने तथा निगम का सहयोग करने का अनुरोध किया गया है।

इन्द्रिनगर में अवैध खनन के आरोप, "कारखास" की भूमिका पर उठे गंभीर सवाल

लोकतंत्र की शान, अब्दुल्लाह खान ब्यूरो चीफ

राजधानी लखनऊ के थाना इन्द्रिनगर क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र में मिट्टी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली और डंपर खुलेआम संचालित हो रहे हैं, जिससे नियमों की अनदेखी और सरकारी राजस्व को भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। सूत्रों का दावा है कि यह अवैध गतिविधि लंबे समय से जारी है, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। इसको लेकर क्षेत्रीय लोगों में नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है "कारखास" ग्रीस पांडे व अनुज राजपूत पर चर्चा तेज इसी बीच थाना स्तर पर तैनात बताए जा रहे "कारखास" ग्रीस पांडे और अनुज राजपूत की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों और सूत्रों का कहना है कि इतनी बड़ी संख्या में वाहनों का संचालन बिना स्थानीय स्तर की जानकारी या निगरानी के संभव नहीं है। हालांकि, इन व्यक्तियों से जुड़े सभी आरोप फिलहाल अपुष्ट हैं और इनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।जनता की मांग

क्षेत्रीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि— पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए थाना स्तर की भूमिका की भी जांच हो यदि कोई दोषी पाया जाए तो सख्त कार्रवाई की जाए अब तक इस मामले में प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है लगातार घटनाओं से बढ़ी चिंता इंदिरा नगर क्षेत्र में एक के बाद एक घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन इसके बावजूद पुलिस प्रशासन और खनन विभाग चुप्पी साधे बैठे हैं। इससे लोगों में भय और आक्रोश दोनों बढ़ रहे हैं हादसे ने खोली है व्यवस्था की पोल इंदिरा नगर थाना क्षेत्र में कुछ दिन पहले अवैध मिट्टी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इस दर्दनाक घटना के बावजूद भी प्रशासन की ओर से सख्त कार्रवाई न होना कई गंभीर सवाल खड़े करता है बड़े सवाल खड़े क्या "कारखास" की मिलीभगत से चल रहा है पूरा अवैध खनन? खनन विभाग आखिर क्यों बना हुआ है मूकदर्शक हादसे के बाद भी प्रशासन क्यों नहीं जाग रहा कब होगी इस पूरे नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई राजस्व को करोड़ों का नुकसान अवैध खनन से सरकार को भारी राजस्व हानि हो रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं सड़कें जर्जर, हादसों का खतरा बढ़ा ओवरलोडेड वाहनों के कारण सड़कों की हालत खराब हो चुकी है, जिससे आए दिन हादसों का खतरा बना हुआ है माफियाओं के हौसले बुलंद प्रशासनिक ढिलाई के चलते खनन माफिया बेखौफ होकर दिन-रात इस अवैध कारोबार को अंजाम दे रहे हैं।अवैध खनन बना मौत का कारण लगातार चल रहे अवैध खनन और ओवरलोडेड वाहनों के कारण न सिर्फ सरकार को नुकसान हो रहा है, बल्कि आम लोगों की जान भी खतरे में पड़ रही ह

स्वामी संत शरण महाराज जी के द्वारा श्री अयोध्या से तापसी छावनी के जगतगुरु परमहंस आचार्य जी का आगमन होगा

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

शहडोल मां नर्मदा के पावन क्षेत्र एवं आर्या प्रतापी पांडवों के ऐतिहासिक धर्म एवं आस्था के पवित्र भूमि में श्री राम नाम महामंत्र का आध्यात्मिक अनुष्ठान यज्ञ नो कुंडी एवं भव्य श्री राम कथा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान के आदर्श जीवन पर चरित्र निर्माण के लिए युवाओं को और मानव समाज के आस्था एवं सांस्कृतिक धर्म रक्षा सनातन प्रचार हेतु मानव कल्याण और विश्व कल्याण की भावना से यह विशाल कार्यक्रम स्थान बाढ़ गंगा शहडोल में स्वामी संत शरण जी महाराज मानस मृगेंद्र के अथक प्रयासों के द्वारा लोगों से जनसंपर्क करके लोकप्रिय सांसद श्रीमती माधुरी देवी से चर्चा के उपरांत सभी गणमन नागरिकों और उद्योगपति और भक्त मंडलों से संपर्क किया जिसमें लोगों का उत्साह और सहयोग प्राप्त होना सुनिश्चित है क्षेत्रीय विधायक जनप्रतिनिधियों के एवं जनमानस की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए स्वामी संत शरण महाराज जी के द्वारा श्री अयोध्या से तापसी छावनी के जगतगुरु परमहंस आचार्य जी का आगमन होगा जिनके सानिध्य में शोभा यात्रा 16 में से निकल जाएगी और कार्यक्रम 27 में तक चलेगा जिसमें अनेक साधु संत जगत गुरुओं के आने की जानकारी प्राप्त है प्रभारी मंत्री श्रीमान राजेंद्र शुक्ला जी के सानिध्य में उनके प्रभारी क्षेत्र में यह भव्य आयोजन का होना शहडोल की जनता एवं समस्त वर्गों की भावनाओं के हेतु इस भव्यतम कार्यक्रम को गति दी जा रही है विशाल यज्ञ मंडप का निर्माण एवं यजमानों को

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के सरकारी दफ्तरों में जीरो पेंडिंग फाइल अभियान चलाने के निर्देश

काठमांडू। नेपाल सरकार ने देशभर के सरकारी दफ्तरों में 'जीरो पेंडिंग फाइल' अभियान चलाने का निर्देश दिया है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने जीरो पेंडिंग फाइल अभियान की शुरुआत अपने कार्यालय से की है। उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय में कार्यरत सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने टेबल पर एक भी लंबित फाइल न रखने का निर्देश दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सभी मंत्रालयों, आयोगों, सचिवालयों, सभी प्रांतों के मुख्यमंत्री कार्यालयों तथा स्थानीय कार्यालयों को परिपत्र जारी कर दिशानिर्देश लागू करने और इसकी रिपोर्ट भेजने को कहा है। इसमें कहा गया है कि अनावश्यक रूप से फाइलों को ऊपरी स्तर पर भेजने जैसी प्रवृत्तियों के कारण विभिन्न सेवाओं का प्रवाह बाधित हो रहा है। इसी समस्या के समाधान के लिए यह अभियान शुरू किया जा रहा है। प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद कार्यालय की प्रभारी सुसना शर्मा के अनुसार सरकारी कार्यालयों में दर्ज फाइलें और अन्य दस्तावेज विभिन्न स्तरों और टेबलों पर अनावश्यक रूप से लंबित रहने तथा निर्णय में देरी होने की प्रवृत्ति को समाप्त करने के उद्देश्य से यह अभियान संचालित किया जा रहा है।

महाराष्ट्र के मंत्री का हेलिकॉप्टर कार पार्किंग में उतरा, प्रशासन बोला- पायलट ने गलती से लैंडिंग की

पुणे। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री और एनसीपी नेता छगन भुजबल शनिवार को बड़े हादसे का शिकार होने से बच गए। दरअसल पुणे के पुरंदर इलाके में मंत्री का हेलिकॉप्टर हेलीपैड की बजाय कार पार्किंग एरिया पर उतर गया। हेलीपैड वहां से एक किलोमीटर पीछे था। पुणे प्रशासन ने बताया कि हेलिकॉप्टर के लिए एक हेलीपैड तैयार किया गया था, लेकिन पायलट ने पार्किंग एरिया में खाली जगह को लैंडिंग साइट समझ लिया। उस समय पार्किंग वाली जगह खाली थी, जिससे भ्रम होने की आशंका है। घटना उस समय हुई जब भुजबल पुणे में महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। यह हेलिकॉप्टर उन्होंने किराए पर लिया था। लैंडिंग का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिखा कि पार्किंग एरिया में कई कार कतार में खड़ी थी। वहीं पर गाड़ियों के सामने पायलट ने हेलिकॉप्टर को उतार दिया। इस दौरान धूल का एक बड़ा गुबार उठता हुआ दिखाई दिया। घटना में किसी के घायल होने या अन्य नुकसान की कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

राजस्थान-छत्तीसगढ़ में तापमान 40°के पार पहुंचेगा

भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादून। देशभर में गर्मी बढ़ने लगी है। शुक्रवार को राजस्थान के बाड़मेर में दिन का तापमान 37.5°C तक पहुंचा। मौसम विभाग के मुताबिक राज्य में अगले दो दिन में दिन का तापमान 40°C के पार जा सकता है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग संभाग में दिन का तापमान 42°C से ज्यादा जा सकता है। यहां हीटवेव की स्थिति बन सकती है। दिन के साथ ही रात का तापमान भी तेजी से बढ़ेगा। मध्य प्रदेश में आंधी-बारिश थमते ही गर्मी बढ़ने लगी है। शुक्रवार को ज्यादातर शहरों में दिन के पारे में 1°C से 5.4°C तक बढ़ोतरी हुई। रतलाम में सबसे ज्यादा 5.4°C की बढ़ोतरी हुई। हालांकि, हीटवेव का अलर्ट नहीं है। इधर, आंध्र प्रदेश में 5 दिन समुद्री तूफान का अलर्ट है। उत्तर से दक्षिण की ओर बनी ट्रफ लाइन बनी रही, जो ओडिशा से गल्फ ऑफ मन्नार तक फैली हुई है। इसका असर तमिलनाडु, पुडुचेरी, तेलंगाना में भी रहेगा।

लखनऊ में दुबई से आ रहे विमान की इमरजेंसी लैंडिंग, 154 यात्री थे, काठमांडू में मौसम खराब होने पर उतारा

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर शनिवार सुबह दुबई से काठमांडू जा रहे विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। काठमांडू में मौसम खराब होने पर वहां लैंडिंग की परमिशन नहीं मिली। उसके बाद पायलट ने लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को कॉल किया और लैंडिंग की अनुमति मांगी। अनुमति मिलने के बाद विमान को सुबह 8:22 बजे अमौसी एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया। फ्लाई दुबई की फ्लाइट (एफजेड-1133) में 154 यात्री सवार थे। तकनीकी टीम ने विमान की जांच की। अब उसमें ईंधन भरा गया। करीब डेढ़ घंटे बाद सुबह 10 विमान को काठमांडू के लिए रवाना कर दिया गया। फ्लाई दुबई के टिकट अन्य कंपनियों की अपेक्षा किफायती माने जाते हैं। 2008 में दुबई सरकार के सहयोग से यह कंपनी शुरू की गई थी। इसका मुख्यालय दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर है। फ्लाई दुबई मध्य पूर्व, एशिया, यूरोप, अफ्रीका के कई शहरों के लिए विमान सेवा चला रही है। भारत के कई शहरों से भी इसकी सीधी उड़ानें उपलब्ध हैं। लखनऊ में इससे पहले 31 मार्च को एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी। फ्लाइट पश्चिम बंगाल के बागडोगरा से दिल्ली जा रही थी। सूत्रों के मुताबिक, फ्लाइट यूपी के अंबेडकरनगर के ऊपर थी, तभी पायलट के केबिन में धुआं महसूस हुआ। उस समय फ्लाइट 36 हजार फीट की ऊंचाई पर थी। पायलट ने धुआं महसूस होते ही लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल को मेडे कॉल किया। मेडे कॉल के बाद यात्रियों को ऑक्सीजन मास्क उपलब्ध करा दिए गए। लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति लेकर फ्लाइट को शाम 5:17 बजे सुरक्षित लैंड कराया।

महाराष्ट्र के नासिक में सड़क हादसे के बाद पिकअप वाहन में लगी आग, चार की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक जिले के सिन्नर तहसील में स्थित पंचाले-शहा रोड पर शनिवार को तडक़े एक ट्रक और पिकअप ट्रक में ज़ोरदार टक्कर के बाद पिकअप वाहन में आग लग जाने से चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो महिला और दो पुरुष हैं। इस हादसे में दो घायलों का इलाज सिन्नर जिला उप अस्पताल में जारी है। इस हादसे की छानबीन एमआईडीसी पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। इस हादसे के छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि नासिक के पंचाले गांव के कुछ लोग पिकअप वाहन में जागरण के लिए गोंडल गए थे। वहां से लौटते समय आज तडक़े उनके पिकअप वाहन को एक ट्रक ने टक्कर मार दिया। इससे पिकअप वाहन में आग लग गई। इस हादसे में पिकअप वाहन चालक और एक व्यक्ति घटना स्थल पर ही मौत हो गई थी, जबकि चार लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही एमआईडीसी पुलिस स्टेशन की टीम और फायर ब्रिगेड के जवान मौके पर पहुंचे और चारों घायलों को सिन्नर जिला उप अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया। लेकिन आज सुबह इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। हादसे में मरने वाले चारों लोग सिन्नर तहसील के पंचाले गांव के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान पिकअप ड्राइवर किरण रवींद्र मोरे (25), शुभम गणेश नवले (22), रिंकू शुभम नवले (19) और मीराबाई विश्वनाथ गंगुर्डे (35) के रुप में की गई है। इस घटना में सचिन गणेश नवले और सुनीता गणेश नवले दोनों गंभीर रूप से घायल हैं, दोनों का इलाज जारी है।

हिजबुल्लाह का इजराइली सैन्य ठिकानों पर हमला

इजराइल का भी पलटवार, ईरान बोला- शांति वार्ता फेल हुई तो यूएस-इजराइल दोनों जिम्मेदार

एजेंसी, इस्लामाबाद

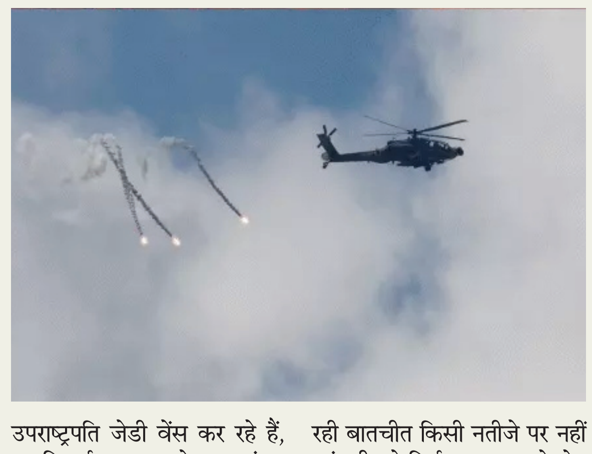

लेबनान के उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह ने शनिवार को इजराइल के कई सैन्य ठिकानों पर रॉकेट, ड्रोन और मिसाइल अटैक किए। जवाब में इजराइल ने लेबनान के कई ठिकानों पर हमला किया। इजराइल ने साफ कर दिया है कि वह हिजबुल्लाह के साथ सीजफायर पर बातचीत नहीं करेगा। इससे पहले खबरें थीं कि अमेरिका में इजराइल और लेबनान के प्रतिनिधियों के बीच इस मुद्दे पर बैठक हो सकती थी।

वहीं, पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच जल्द सीजफायर वार्ता शुरू हो सकती है। अमेरिका का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कर रहे हैं, जबकि ईरान का नेतृत्व संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। इसी बीच, ईरान ने कहा कि अगर इस्लामाबाद में चल रही बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंचती, तो सिर्फ इजराइल को दोष नहीं दिया जा सकता। इजराइल और अमेरिका के फैसले जुड़े हैं, इसलिए वार्ता फेल होने पर जिम्मेदारी अमेरिका पर भी होगी।

प्लेन में बच्चों की तस्वीरें रखकर पाकिस्तान पहुंचे गालिबाफः गालिबाफ ने इस्लामाबाद पहुंचने के बाद एक्स पर एक फोटो शेयर की। इसमें विमान की सीटों पर चार बच्चों की तस्वीरें रखी हैं, जिनके साथ उनके खून से सने स्कूल बैग और जूते रखे हैं और फूल भी रखा है। ईरानी शहर मिनाब में जंग के पहले ही दिन 28 फरवरी को एक प्राइमरी स्कूल पर हमला हुआ था, जिसमें 168 लोगों की मौत हुई थी। इनमें बच्चे और स्कूल का स्टाफ भी शामिल था। इस हमले का आरोप अमेरिका और इजराइल पर लगाया गया था। अमेरिका ने कहा कि वे इस हमले की जांच कर रहे हैं।

ममता बनर्जी के आरोपों का संघ ने किया खंडन

एजेंसी, पश्चिम मेदिनीपुर

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केशियाड़ी में आयोजित चुनावी जनसभा के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थानीय प्रशिक्षण केंद्र को लेकर विशेष प्रशिक्षण देने का आरोप लगाया, जिसे संघ ने सिरे से खारिज किया है। ममता बनर्जी ने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केशियाड़ी क्षेत्र में संघ का एक मजबूत ठिकाना मौजूद है, जहां विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होंने कहा, "मैं सारी जानकारी रखती हूं। जो अच्छे कार्य करेंगे उन्हें सम्मान मिलेगा और जो वोट काटने की कोशिश करेंगे, उनका विसर्जन कर दीजिए।"मुख्यमंत्री के इस बयान पर संघ की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। दक्षिण बंगाल के प्रचार प्रमुख बिप्लव राय ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि 15 वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद ममता बंगाल को ठीक से समझ नहीं पाई हैं। केशियाड़ी में संघ का कोई प्रशिक्षण केंद्र नहीं है और मुख्यमंत्री का आरोप पूरी तरह निराधार है।राय ने बताया कि आमतौर पर संघ की शाखाओं में स्वयंसेवकों को शारीरिक, बौद्धिक और संगठनात्मक प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें व्यायाम, दंड अभ्यास, खेल, योग और परेड जैसे शारीरिक अभ्यास शामिल होते हैं।

इसके साथ ही भारत के इतिहास, संस्कृति, राष्ट्रवाद और सामाजिक जिम्मेदारियों पर भी बौद्धिक सत्र आयोजित किए जाते हैं। इनके माध्यम से स्वयंसेवकों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और समाज सेवा की भावना विकसित करने पर विशेष जोर दिया जाता है।

दिल्ली में 50 हजार की इनामी महिला ड्रग तस्कर अरेस्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने शाहदरा से 'ड्रग्स क्वीन' के नाम से मशहूर कुसुम को अरेस्ट किया। उस पर 50 हजार रुपए का इनाम था। शाहदरा पुलिस के मुताबिक, वह दो महीने से कुसुम की तलाश कर रही थी और गुरुवार को जब वह शाहदरा आई, तो पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। मीडिया को जानकारी शनिवार को दी। इसे अरेस्ट करने के लिए पुलिस ने 200 से अधिक CCTV और 100 से ज्यादा मोबाइल फोन के कॉल रिकॉर्ड तलाशे।

कुसुम पर 2003 से 2024 के बीच NDPS एक्ट (ड्रग्स से जुड़े मामलों) के तहत 11 केस दर्ज हैं। पुलिस ने यह भी बताया कि कुसुम लगातार ठिकाने बदलती रहती थी। कई बार पुलिस के पहुंचने से कुछ मिनट पहले ही वह फरार हो जाती थी। वह स्मार्टफोन का इस्तेमाल नहीं करती थी और बार-बार सिम कार्ड बदलती रहती थी।

ड्रग्स के व्यापार में कुसुम के साथ उसकी बेटियां भी शामिल थीं। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, उसकी बेटियां दीपा और चीकू को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। इसके अलावा उसका भाई हरिओम और सहयोगी रवि भी उसके साथ पकड़े गए।

कुसुम ने दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके से छोटे स्तर पर ड्रग्स बेचने का काम शुरू किया था। रोहिणी कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित किया था। कुसुम दिल्ली से कई राज्यों में ड्रग्स का नेटवर्क चला रही थी।

नेपाल में बालेन्द्र शाह मंत्रिमंडल में महिला मंत्रियों की संख्या 40 प्रतिशत पहुंची

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल में बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार ने मंत्रिमंडल में महिलाओं की भागीदारी 40 प्रतिशत तक बढ़ाकर समावेशी शासन पर जोर दिया है। बालेन्द्र शाह के मंत्रिमंडल में शामिल कुल 15 मंत्रियों में 6 महिलाओं को शामिल किया गया है, जो कुल 40 प्रतिशत प्रतिनिधित्व है। बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में बने नए मंत्रिमंडल में सोविता गौतम को कानून, न्याय और संसदीय मामलों की मंत्री, गीता चौधरी को कृषि एवं पशुपालन विकास मंत्री, सीता बादी को महिला, बालबालिका एवं ज्येष्ठ नागरिक मंत्री और निशा मेहता को स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्री नियुक्त किया गया। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की सिफारिश पर बाद में राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने शुक्रवार को ही गौरी यादव को उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मंत्री नियुक्त किया।प्रधानमंत्री शाह की प्रेस विशेषज्ञ दीपा दाहाल ने कहा कि यह नेपाल में कैबिनेट स्तर पर महिलाओं की भागीदारी के लिए एक नया मानक स्थापित करता है। उन्होंने कहा, "वर्तमान सरकार समावेशी और समानतापूर्ण शासन के लिए प्रतिबद्ध है। 40 प्रतिशत महिला मंत्रियों की उपस्थिति यह दर्शाती है कि परिवर्तनकारी राजनीति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता व्यवहार में लागू हो रही है।" नेपाल के संविधान में राज्य निकायों में कम से कम 33 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी अनिवार्य की गई है, लेकिन पिछली सरकारें अक्सर इस सीमा को पूरा नहीं कर पाई थीं। वर्तमान मंत्रिपरिषद ने इस आवश्यकता को पार कर लिया है। नेपाल की राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की पूर्व सदस्य मोहना अंसारी ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि नेपाल में मंत्रिपरिषद में महिलाओं की इतनी अधिक भागीदारी पहले कभी नहीं रही। उन्होंने कहा, "संख्यात्मक रूप से यह अब तक मंत्रिपरिषद में महिलाओं की सबसे अधिक भागीदारी है। 15 सदस्यीय कैबिनेट में 6 महिलाओं का होना समावेशी नेतृत्व की दिशा में एक उदाहरण है।" उन्होंने यह भी कहा कि रूबी ठाकुर का डिप्टी स्पीकर चुना जाना व्यापक समावेशी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नेपाल की वरिष्ठ अधिवक्ता मीरा ढुंगाना ने कहा कि महिलाओं की बढ़ी हुई भागीदारी न केवल अपेक्षाओं को पूरा करती है, बल्कि नीति निर्माण को महिलाओं के मुद्दों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने का अवसर भी देती है। उन्होंने भविष्य में इसे 50 प्रतिशत तक बढ़ाने का सुझाव दिया। अधिवक्ता भावना दहाल ने कहा कि प्रतिनिधित्व के साथ-साथ विविधता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है और वर्तमान मंत्रिपरिषद महिलाओं के नेतृत्व में संख्यात्मक और समावेशी विविधता को बढ़ावा देकर सकारात्मक संदेश दे रही है।

दिल्ली की नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति का मसौदा जारी, सुझाव के लिए 30 दिन का समय

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने शनिवार को नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति मसौदा लोगों और संबंधित पक्षों की राय के लिए सार्वजनिक कर दिया। इस प्रस्तावित नीति पर सुझाव देने के लिए सभी हितधारकों को 30 दिन (10 मई तक) का समय दिया गया है, जिसके बाद पॉलिसी को अंतिम रूप दिया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक बयान में कहा कि प्रस्तावित दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति मसौदा 2026 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में राजधानी में स्वच्छ, सुलभ और सतत परिवहन प्रणाली स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह नीति 31 मार्च 2030 तक प्रस्तावित है। इसके अंतर्गत इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए व्यापक वित्तीय प्रोत्साहन, कर छूट, अनिवार्य प्रावधान और अवसंरचना विकास पर विशेष जोर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस नीति के अंतर्गत सभी खरीद प्रोत्साहन डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को सीधे दिया जाएगा। इसमें वे व्यक्ति, स्वामित्व फर्म, एजेंसियां और कंपनियां शामिल होंगी जो दिल्ली के निवासी हैं और जिनके वाहन दिल्ली में पंजीकृत हैं। लाभार्थी परिवहन विभाग के तय किए गए सिस्टम के जरिए सीधे सब्सिडी के लिए आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए एक्स शोरूम कीमत 2.25 लाख रुपये तक तय की गई है। ऐसे वाहनों पर सब्सिडी तीन चरणों में दी जाएगी। पहले साल 10,000 रुपये प्रति किलोवाट-घंटा (अधिकतम 30,000 रुपये), दूसरे साल 6,600 रुपये प्रति किलोवाट-घंटा (अधिकतम 20,000 रुपये) और तीसरे साल 3,300 रुपये प्रति किलोवाट-घंटा (अधिकतम 10,000 रुपये) तक का प्रोत्साहन मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इलेक्ट्रिक तीन-पहिया (एल5एम श्रेणी) वाहनों को बढ़ावा देने के लिए पहले साल 50,000 रुपये, दूसरे साल 40,000 रुपये और तीसरे साल 30,000 रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। वहीं, इलेक्ट्रिक चार पहिया माल वाहनों (एन1 श्रेणी) पर पहले साल एक लाख रुपये, दूसरे साल 75,000 रुपये और तीसरे साल 50,000 रुपये तक का प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक तीन-पहिया (एल5एम श्रेणी) वाहनों को बढ़ावा देने के लिए पहले साल 50,000 रुपये, दूसरे साल 40,000 रुपये और तीसरे साल 30,000 रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। वहीं, इलेक्ट्रिक चार पहिया माल वाहनों (एन1 श्रेणी) पर पहले साल एक लाख रुपये, दूसरे साल 75,000 रुपये और तीसरे साल 50,000 रुपये का प्रोत्साहन तय किया गया है।

मुख्यमंत्री बताया कि स्क्रैपिंग प्रोत्साहन के तहत पुराने प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को हटाने पर नई इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदने वालों को अतिरिक्त लाभ मिलेगा। इलेक्ट्रिक दोपहिया पर 10,000 रुपये, तीन-पहिया पर 25,000 रुपये, गैर-परिवहन इलेक्ट्रिक कारों पर एक लाख रुपये और चार पहिया माल वाहनों पर 50,000 रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसका लाभ लेने के लिए जरूरी है कि अधिकृत स्क्रैपिंग सेंटर से प्रमाणपत्र मिलने के छह महीने के भीतर नई इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदी जाए। यह सुविधा दिल्ली में रजिस्टर्ड बीएस-IV और उससे पुराने वाहनों पर लागू होगी। इलेक्ट्रिक कारों के मामले में यह लाभ केवल पहले एक लाख पात्र आवेदकों को मिलेगा और कार की एक्स- शोरूम कीमत 30 लाख रुपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

दिल्ली पुलिस ने भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप में एक युवक को हिरासत में लिया

एजेंसी, भुवनेश्वर

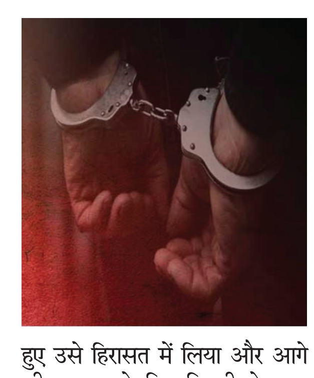

दिल्ली पुलिस की स्पेशल ब्रांच ने पाकिस्तान से कथित संबंधों और भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप में भुवनेश्वर के एक युवक को हिरासत में लिया है। आरोपित को आगे की पूछताछ के लिए दिल्ली ले जाया गया है। सूत्रों के अनुसार, आरोपी की पहचान शेख इमरान उर्फ एस.के. इमरान (22 वर्ष), पुत्र - शेख आमिर के रूप में हुई है, जिसे भुवनेश्वर के कैपिटल पुलिस स्टेशन क्षेत्र से एक समन्वित अभियान के तहत पकड़ा गया। दिल्ली पुलिस काफी समय से उसकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी और ठोस जानकारी मिलने के बाद उसके ठिकाने तक पहुंची। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से भारत विरोधी प्रचार प्रसार कर रहा था। इसके अलावा, उसके चरमपंथी तत्वों के संपर्क में होने की भी आशंका जताई जा रही है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है।

विशिष्ट खुफिया इनपुट के आधार पर दिल्ली से आई विशेष टीम ने भुवनेश्वर में कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में लिया और आगे की पूछताछ के लिए दिल्ली ले जाया गया है। जांच एजेंसियां अब उससे विस्तृत पूछताछ कर उसके संभावित नेटवर्क और गतिविधियों के दायरे का पता लगाने में जुटी हैं। इस घटना ने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के दुरुपयोग और संभावित अंतरराष्ट्रीय कनेक्शनों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एजेंसियां जांच कर रही हैं कि मामले में अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं। इस जांच की शुरुआत एक सप्ताह पहले हुई थी, जब दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक, व्हाट्सएप और सिग्नल से जुड़े संदिग्ध गतिविधियों के आरोप में दिल्ली में कुछ युवकों को हिरासत में लिया था।

थरूर बोले- महिला आरक्षण कानून को राजनीतिक हथियार न बनाएं

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि महिला आरक्षण कानून में होने वाले संशोधन को राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। ताकि संघवाद कमजोर न हो और संसद की गरिमा को ठेस न पहुंचे। संसद में 16 अप्रैल से होने वाले विशेष सत्र से पहले थरूर ने आरोप लगाया कि सरकार 3 दिन के सत्र का इस्तेमाल राज्य चुनावों से पहले राजनीतिक लाभ लेने और 2029 लोकसभा चुनाव से पहले परिसीमन की तैयारी के लिए कर रही है।

थरूर ने X पर लिखा कि कांग्रेस हमेशा से महिलाओं के लिए 33% आरक्षण की समर्थक रही है। 2013 में कांग्रेस ने ही यह बिल पेश कर राज्यसभा से पास कराया था, लेकिन मौजूदा सरकार का रवैया चिंताजनक है। इससे पहले शुक्रवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी (CWC) की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई थी। इसमें सरकार के प्रस्तावित संशोधनों पर आपत्ति जताई गई।

2023 के कानून में साफ लिखा है कि महिला आरक्षण जनगणना और परिसीमन के बाद ही लागू होगा। परिसीमन यानी जनसंख्या के आधार पर लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या और सीमाएं तय करना। जनगणना के आंकड़ों के आधार पर एक आयोग सीटों का बंटवारा तय करता है। आखिरी बार परिसीमन 2002-2008 के बीच हुआ था, जो 1971 की जनगणना के आधार पर था।

इकॉनोमी में कानून की भूमिका अहमः सीजेआई

एजेंसी, नई दिल्ली

◆ **भारत केवल पूंजी या पॉलिसी के दम पर 10 ट्रिलियन डॉलर इकॉनोमी नहीं बन सकता**

CJI सूर्यकांत ने कहा कि भारत को 10 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनॉमी बनाने के लिए सिर्फ पूंजी और पॉलिसी काफी नहीं होंगी। इसके लिए मजबूत और भरोसेमंद कानूनी व्यवस्था भी उतनी ही जरूरी होगी। निवेशकों का भरोसा इसी पर टिका होता है। जस्टिस सूर्यकांत शनिवार को बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 'रूल ऑफ लॉ कन्वेंशन 2026' में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक लक्ष्य नहीं, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा बड़ा सवाल है और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता।

उन्होंने भरोसा जताया कि देश इस चुनौती को पूरा करेगा, लेकिन इसके लिए कानून की गुणवत्ता, स्थिरता और पारदर्शिता जरूरी होगी, क्योंकि इसी पर आर्थिक वादों और निवेश का आधार टिका होता है। भारत को लंबी अवधि के निवेश की जरूरत CJI ने कहा कि अब भारत को ऐसे निवेश की जरूरत है जो जल्दी मुनाफा कमाने के लिए नहीं, बल्कि लंबे समय तक टिके रहने वाले हों और भरोसे पर आधारित हों। जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर में पेंशन फंड का पैसा लगाना, टेक कंपनियों का अपना ज्ञान साझा करना या बड़ी विदेशी कंपनियों का सप्लाई चेन बनाना- ये सब लंबे समय की जिम्मेदारियां होती हैं।

उन्होंने कहा कि निवेशक सबसे पहले ये देखते हैं कि जिस देश में वे पैसा लगा रहे हैं, वहां का कानून आगे भी ईमानदार, स्थिर और भरोसेमंद रहेगा या नहीं। उनके मुताबिक असली बात सिर्फ कॉन्ट्रैक्ट निभाने की नहीं है, बल्कि पूरे रिश्ते में भरोसा बनाए रखने की है। उन्होंने ये भी बताया कि पिछले 20 साल में बिजनेस विवादों का नेचर बदल गया है। पहले झगड़े आम तौर पर पेमेंट या सामान की सप्लाई जैसे सीधे मुद्दों पर होते थे, लेकिन अब ये लंबे और जटिल कारोबारी रिश्तों से जुड़े होते हैं, क्योंकि अर्थव्यवस्था भी बड़ी और जटिल हो गई है। सीजेआई ने कहा कि अब कानून की जिम्मेदारी सिर्फ समझौते के वक्त तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि पूरे कारोबारी रिश्ते के दौरान भी न्याय बना रहना चाहिए।

ईरान-अमेरिका-पाकिस्तान त्रिकोणीय कूटनीतिः इस्लामाबाद वार्ता 11 अप्रैल 2026-शांति की मेज या रणनीतिक शतरंज?क्षेत्रीय तनाव और वैश्विक शक्ति- संतुलन का जटिल समीकरण- समग्र वैश्विक विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

» तीनों देशों के हित और प्राथमिकताएं अलग-अलग- पाकिस्तान के लिए अवसर- अमेरिका के लिए रणनीतिक संतुलन और ईरान के लिए अस्तित्व और सम्मान का सवाल

» ईरान की शर्तें स्पष्ट हैं पूर्ण युद्धविराम,अनफ्रीज एसेट्स नुकसान की भरपाई और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही, यदि ये शर्तें पूरी नहीं होतीं,तो वार्ता के टूटने की संभावना बनी रहेगी -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया में हालिया 14 दिन के युद्धविराम के बाद दुनियाँ की नजरें अब पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पर टिक गई हैं, जहां ईरान और अमेरिका के बीच 11 अप्रैल 2026 पर टिक गई है जहाँ उच्च स्तरीय वार्ता चल रही है। यह वार्ता केवल एक कूटनीतिक प्रक्रिया नहीं,बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन,ऊर्जा सुरक्षा,क्षेत्रीय स्थिरता और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन चुकी है।खास बात यह है कि पाकिस्तान इस पूरी प्रक्रिया में एक मध्यस्थ और मेजबान की भूमिका निभा रहा है,जो अपने आप में एक महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक संकेत है। यह वार्ता फिलहाल द्विपक्षीय (बाइलेटरल) स्तरपर चल रही है,लेकिन संभावनाएं इस बात की हैं कि यह आगे चलकर त्रिपक्षीय (ट्राइलेटरल) रूप ले सकती है, जो वैश्विक कूटनीति में एक नया अध्याय जोड़ सकता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि इस वार्ता की मेजबानी कर रहे शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख असीम मुनीर की उपस्थिति यह दर्शाती है कि पाकिस्तान इस अवसर को अपनी कूटनीतिक साख बढ़ाने के रूप में देख रहा है। विदेश मंत्री इशाक डार और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोहम्मद असीम मलिक भी इस वार्ता में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। पाकिस्तान की कोशिश है कि वह खुद को एक जिम्मेदार मध्यस्थ के रूप में स्थापित करे,जैसा कि अतीत में कतर या नॉर्वे ने किया था,हालांकि यह भूमिका जोखिम से खाली नहीं है, क्योंकि किसी भी विफलता का असर उसकी अंतरराष्ट्रीय छवि पर पड़ सकता है। साथियों बात अगर हम वार्ता का प्रारूपः बाइलेटरल से ट्राइलेटरल की ओर? इसको समझने की करें तो फिलहाल बातचीत अलग-अलग चैनलों के जरिए हो रही है, पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के साथ अलग-अलग संवाद कर रहा है।यह शटल डिप्लोमेसी का एक क्लासिक उदाहरण है।अगर दोनों पक्षों की प्रमुख मांगें पूरी हो जाती हैं, तो यह वार्ता त्रिपक्षीय रूप ले सकती है। लेकिन यह प्रक्रिया बेहद जटिल है, क्योंकि तीनों देशों के हित और प्राथमिकताएं अलग-अलग हैं।पाकिस्तान के लिए यह अवसर है,अमेरिका के लिए रणनीतिक संतुलन और ईरान के लिए अस्तित्व और सम्मान का सवाल। साथियों बात अगर हम ईरान की प्रमुख मांगेंः आर्थिक राहत और सुरक्षा गारंटी को समझने की करें तो ईरान की सबसे बड़ी मांग उसके फ्रीज किए गए एसेट्स को अनफ्रीज करना है। यह मुद्दा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक भी है। ईरान का मानना है कि उस पर लगाए गए प्रतिबंध अन्यायपूर्ण हैं और उन्हें हटाया जाना चाहिए। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस पर स्पष्ट संकेत दिया है कि फिलहाल ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया है।इसके अलावा ईरान ने लेबनान में सीजफायर को भी वार्ता का हिस्सा बताया है, जो इस बात का संकेत है कि वह इस बातचीत को क्षेत्रीय संदर्भ में देख रहा है, न कि केवल द्विपक्षीय मुद्दे के रूप में हैं ईरान इस वार्ता में पूरी तरह बिना भरोसे के प्रवेश कर रहा है। इसका कारण है अतीत में अमेरिका द्वारा किए गए वादों का टूटना,विशेषकर ईरान परमाणु समझौता 2015 से अमेरिका का बाहर निकलना। यह अविश्वास वार्ता को जटिल बनाता है, क्योंकि किसी भी समझौते के लिए विश्वास का होना अनिवार्य है। ईरान की शर्तें स्पष्ट हैं पूर्ण युद्धविराम,नुकसान की भरपाई और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही। यदि ये शर्तें पूरी नहीं होतीं, तो वार्ता के टूटने की संभावना बनी रहेगी। साथियों बात अगर हमअमेरिका का दृष्टिकोणः रणनीतिक नियंत्रण और संतुलन को समझने की करें तोअमेरिका की प्राथमिकता है कि ईरान एक क्षेत्रीय महाशक्ति के रूप में उभर न सके। इसके लिए वह आर्थिक प्रतिबंध, कूटनीतिक दबाव और सैन्य उपस्थिति का उपयोग करता रहा है। जेडी वेंस की इस्लामाबाद यात्रा और उनकी चेतावनी इस बात का संकेत है कि अमेरिका इस वार्ता को केवल शांति प्रक्रिया नहीं, बल्कि रणनीतिक उपकरण के रूप में देख रहा है। अमेरिका के लिए यह भी महत्वपूर्ण है कि इज़राइल की सुरक्षा सुनिश्चित रहे, जो उसका प्रमुख सहयोगी है। इस्लामाबाद में हो रही बातचीत से इज़राइल लेबनान संघर्षः वार्ता पर संकट छाने की उम्मीद बढ़ गई है, इस पूरे परिदृश्य में इज़राइल और लेबनान के बीच जारी संघर्ष एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। ईरान ने स्पष्ट किया है कि लेबनान में हमले रुकने चाहिए, जबकि इज़राइल ने अपने ऑपरेशन जारी रखे हैं।इस संघर्ष में एक ही दिन में सैकड़ों लोगों की मौत की खबरें आई हैं, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाती हैं। यह संघर्ष न केवल मानवीय संकट पैदा कर रहा है, बल्कि शांति वार्ता को भी प्रभावित कर रहा है। साथियों बात अगर हम दिनांक 11 अप्रैल 2026 को इस्लामाबाद में ईरान-अमेरिका संभावित स्थाई शांति संबंधी हो रही बैठक की करें तो आगे की बातचीत क़े लिए ट्रंप ने सस्पेंस बरकरार रखा है,उन्होंने पिछली अमेरिकी सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि वे लोग 47 साल से सिर्फ बातें ही कर रहे थे,उन्होंने दो टूक लहजे में कहा कि कल की मीटिंग ही यह तय करेगी कि आगे क्या होगा. ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि यह आखिरी मुलाकात होगी या आगे भी दौर चलेगा, बस इतना कहा कि 'हमें देखना होगा कि कल क्या नतीजा निकलता है, इस्लामाबाद वार्ता से ठीक पहले ईरान के उपराष्ट्रपति ने अमेरिका को बेहद सख्त और सीधा संदेश भेजा है. ईरान ने साफ कर दिया है कि अगर वे अमेरिका फर्स्ट के प्रतिनिधियों से बात कर रहे हैं, तो एक ऐसी डील मुमकिन है जो दोनों देशों और दुनियाँ के लिए फायदेमंद हो लेकिन,अगर अमेरिका इजरायल फर्स्ट की सोच के साथ मेज पर आता है,तो कोई समझौता नहीं होगा. ईरान ने चेतावनी दी है कि ऐसी स्थिति में वे पहले से कहीं ज्यादा मजबूती के साथ अपनी रक्षा जारी रखेंगे,जिसका खामियाजा पूरी दुनियाँ को भुगतना होगा पूरा विश्व उम्मीद कर रहा है कि इस्लामाबाद में हो रही ईरान अमेरिका की बैठक सफल हो ताकि पूरे विश्व के शेयर बाजारों और नागरिकों को वित्तीय क्राइसिस से सटिका से बचाए जा सके। साथियों बात अगर हम आने वाले 14 दिन और इस्लामाबाद में 11 अप्रैल 2026 को हुई बैठकःनिर्णायक मोड़ साबित होगी इसको समझनें की करें तो,सीज़फायर केवल 14 दिनों का है,और यही अवधि वैश्विक बाजारों की दिशा तय करेगी।(1)संभावित परिदृश्यः(अ) यदि शांति बनी रहती है,तेल कीमतें स्थिर रहेंगी,बाजार में और तेजी आएगी(ब)यदि तनाव फिर बढ़ता हैः तेल कीमतों में उछाल, बाजार में गिरावट (2)मध्य मार्गः अस्थिरता बनी रहेगी, निवेशक सतर्क रहेंगे,इसलिए संभवतः अनिश्चितता के बीच अवसर अप्रैल 2026 का यह सप्ताह यह दर्शाता है कि वैश्विक बाजार कितने संवेदनशील और गतिशील हैं। ईरान-अमेरिका सीज़फायर ने यह साबित किया कि एक सकारात्मक भू- राजनीतिक घटनाक्रम किस प्रकार पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है।भारत के संदर्भ में, यह सप्ताह एक सकारात्मक संकेत लेकर आया है मजबूत घरेलू मांग, निवेशकों का बढ़ता विश्वास, और वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद स्थिरता की ओर बढ़ता बाजार।हालांकि, अनिश्चितता अभी भी बनी हुई है। आने वाले 14 दिन न केवल पश्चिम एशिया की राजनीति, बल्कि वैश्विक आर्थिक दिशा भी तय करेंगे। साथियों बातें कर हम ऊर्जा संकट और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर को समझने की करें तो स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में शिपिंग बाधित होने से वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हुई है। यह मार्ग दुनियाँ के लगभग 20 प्रतिशत तेल व्यापार का केंद्र है। इसके बंद होने या बाधित होने से तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव आया है। पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में वृद्धि ने आम जनता और उद्योगों दोनों को प्रभावित किया है। जापान द्वारा अतिरिक्त तेल रिलीज करना इस संकट की गंभीरता को दर्शाता है।इस वार्ता का असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं है। रूस को तेल बाजार में छूट मिलने की संभावना, डोनाल्ड ट्रंप के बयान और इमैनुएल मैक्रों द्वारा जी 7 चर्चा का प्रस्ताव ये सभी संकेत हैं कि यह मुद्दा वैश्विक राजनीति के केंद्र में है।यह वार्ता एक ग्लोबल रीसेट' की संभावना भी पैदा कर सकती है,जहां नई शक्ति संरचनाएं स्पष्ट रूप से उभर सकती हैं। साथियों बात अगर हम ईरान का सख्त संदेशःअमेरिका फर्स्ट बनाम इज़राइल फर्स्ट इसको समझने की करें तो ईरान के उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरिफ ने स्पष्ट किया है कि अगर अमेरिका अमेरिका फर्स्ट दृष्टिकोण से आता है, तो समझौता संभव है, लेकिन इज़राइल फर्स्ट नीति के साथ कोई डील नहीं होगी। यह बयान इस बात का संकेत है कि ईरान अपनी संप्रभुता और रणनीतिक स्वतंत्रता से समझौता नहीं करेगा।ईरान के लिए हिज़्बुल्लाह हमास और हूती जैसे सहयोगी केवल सैन्य साधन नहीं,बल्कि उसकी क्षेत्रीय नीति का हिस्सा हैं।यदि वह इनका समर्थन छोड़ता है,तो उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठेगा। वहीं इज़राइल के लिए यह अस्तित्व का प्रश्न है। यही वह 'डेडलॉक' है जो वार्ता को जटिल बनाता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि शांति, रणनीति और अनिश्चित भविष्य इस्लामाबाद में चल रही यह वार्ता एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है। यह शांति की दिशा में एक बड़ा कदम भी हो सकती है और केवल एक रणनीतिक विराम भी। पाकिस्तान की मध्यस्थता, ईरान की शर्तें, अमेरिका की रणनीति और इज़राइल का रुख इन सभी के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं है। आने वाले दिनों में यह स्पष्ट होगा कि यह वार्ता स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त करती है या केवल एक अस्थायी राहत बनकर रह जाती है।यह कहना गलत नहीं होगा कि यह केवल तीन देशों की बातचीत नहीं, बल्कि 21वीं सदी के वैश्विक शक्ति-संतुलन की परीक्षा है, जहां हर निर्णय का असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

सडकों पर ठहरी हुई ज़िंदगीः क्या हम इन मासूम बच्चों का बचपन देख पा रहे हैं?

लेखक - दिलीप कुमार पाठक

शहरों की चकाचौंध भरी सड़कों पर दौड़ती गाड़ियाँ और काँच की ऊँची इमारतों से झाँकती कृत्रिम रोशनी विकास का बड़ा दावा करती हैं। लेकिन इसी चमक-धमक के बीच, ट्रैफिक सिग्नल की लाल बत्ती पर कुछ नन्हे हाथ आपकी कार के शीशे थपथपाते हैं। कोई हाथ में रंगीन गुब्बारे लिए खड़ा है, तो कोई महज़ चंद रुपयों के लिए पेन या रुमाल आपकी ओर बढ़ा देता है। आज 12 अप्रैल है—अंतर्राष्ट्रीय स्ट्रीट चिल्ड्रेन डे। यह दिन दुनिया भर में उन बच्चों के नाम समर्पित है, जिनका घर कोई चारदीवारी नहीं बल्कि तपती सड़कें और असुरक्षित फुटपाथ हैं। सवाल यह है कि क्या हम इन बच्चों को वाकई देख पा रहे हैं, या इन्हें सड़क के शोर का एक हिस्सा समझकर हर रोज़ नज़रअंदाज़ कर रहे हैं?सड़क पर रहने वाले इन बच्चों के लिए आसमान ही छत है और कंक्रीट का फुटपाथ ही बिछौना। इनके हिस्से में बचपन के खिलौने नहीं, बल्कि वह उत्तरदायित्व है जिसे उठाने की उम्र अभी इनकी हुई भी नहीं। एक तरफ जहाँ हम डिजिटल इंडिया और विश्व गुरु बनने का संकल्प दोहराते हैं, वहीं दूसरी ओर देश के हज़ारों बच्चे कूड़ा बीनने या भीख माँगने को विवश हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें बताती हैं कि दुनिया भर में लगभग 15 करोड़ बच्चे सड़कों पर अपना जीवन गुजार रहे हैं। भारत के संदर्भ में यह आंकड़ा और भी डराने वाला है। सेव द चिल्ड्रन के एक सर्वे के अनुसार, अकेले भारत के बड़े शहरों में करीब 20 लाख से अधिक बच्चे ऐसे हैं जिनका कोई स्थायी ठिकाना नहीं है। ये वे बच्चे हैं जो जनगणना के पन्नों से भी अक्सर गायब रह जाते हैं। इन बच्चों की दुनिया अभावों और असुरक्षा से भरी है। इनमें से 60 प्रतिशत से अधिक बच्चे कुपोषण का शिकार हैं और लगभग 40 प्रतिशत बच्चों को कभी स्कूल जाने का सौभाग्य ही नहीं मिला। शिक्षा का अधिकार कानून कागजों पर तो बहुत मज़बूत दिखता है, लेकिन इन बच्चों के लिए स्कूल की घंटी से कहीं ज़्यादा अहमियत ट्रैफिक सिग्नल की लाल बत्ती रखती है। उनके लिए पेट की भूख, अक्षरों की भूख से कहीं बड़ी और तात्कालिक है। विडंबना देखिए, जिस उम्र में उन्हें स्कूल के बस्ते का बोझ उठाना चाहिए था, उस उम्र में वे पूरे परिवार की उम्मीदों का बोझ अपने कोमल कंधों पर ढो रहे हैं। समस्या केवल आर्थिक तंगी की नहीं है, बल्कि उस सामाजिक उदासीनता की भी है जो इन्हें अपराधी या नशेड़ी मानकर हाशिए पर धकेल देती है। सड़कों पर रहने के कारण ये बच्चे शारीरिक शोषण और मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोहों के आसान निशाने पर होते हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि लापता होने वाले बच्चों में एक बड़ी संख्या इन्हीं स्ट्रीट चिल्ड्रेन की होती है, जिनका कोई रिकॉर्ड न होने के कारण उन्हें खोजना लगभग नामुमकिन हो जाता है। अब प्रश्न यह उठता है कि क्या केवल संवेदना प्रकट कर देने से इनका भाग्य बदल जाएगा? समाधान के लिए हमें बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहले सरकार को मल्टी-एजेंसी मॉडल पर काम करना होगा, जहाँ पुलिस, बाल कल्याण समितियाँ और नगर निगम मिलकर इन बच्चों का डेटा तैयार करें। केवल आधार कार्ड न होने की वजह से इन्हें सरकारी योजनाओं से वंचित रखना इनके मानवाधिकारों का हनन है। इनके लिए मोबाइल स्कूलों की व्यवस्था करनी होगी, जो वहीं पहुँचें जहाँ ये बच्चे रहते हैं। कौशल विकास के छोटे-छोटे केंद्र शुरू किए जाने चाहिए ताकि ये बच्चे भीख माँगने के बजाय हुनर सीख सकें। समाज के तौर पर हमारी भी एक नैतिक जवाबदेही है। हम अक्सर इन्हें देखकर अपनी गाड़ी का शीशा चढ़ा लेते हैं या कुछ सिक्के फेंक कर अपना फर्ज़ पूरा समझ लेते हैं। लेकिन इन्हें सिक्कों की नहीं, सम्मान और संभावना की ज़रूरत है। हमें भिक्षा नहीं, शिक्षा के मंत्र को आत्मसात करना होगा। पैसे देने के बजाय हम उनके लिए पास के किसी सरकारी स्कूल में दाखिले की प्रक्रिया शुरू करवा सकते हैं या उन्हें भोजन और कपड़े उपलब्ध कराने वाली भरोसेमंद संस्थाओं से जुड़ सकते हैं। स्थानीय स्तर पर मोहल्ला समितियों को इन बच्चों की सुरक्षा का जिम्मा उठाना होगा ताकि वे किसी असामाजिक गिरोह के हत्थे न चढ़ें। बदलाव की शुरुआत हमारी सोच से होगी। जब तक हम इन्हें समस्या समझेंगे, समाधान नहीं निकलेगा; जिस दिन हम इन्हें देश की संपत्ति समझना शुरू करेंगे, राहें खुद-ब-खुद निकल आएंगी। अगर किसी राष्ट्र का बचपन फुटपाथ पर असुरक्षित होकर दम तोड़ रहा है।

आस्था का बाज़ारीकरणः वीआईपी दर्शन और आम श्रद्धालु की उपेक्षा पर एक गंभीर सवाल

लेखक- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत जैसे देश में, जहाँ धर्म और आस्था केवल व्यक्तिगत विश्वास का विषय नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, वहाँ मंदिरों और तीर्थ स्थलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। ये स्थान सदियों से समानता, शांति, और आध्यात्मिक संतुलन के प्रतीक माने जाते रहे हैं। "भगवान के दरबार में सब बराबर हैं"—यह वाक्य केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहरी मान्यता रहा है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में इस मान्यता पर प्रश्नचिह्न लगते दिखाई दे रहे हैं। देश के कई प्रमुख मंदिरों और तीर्थ स्थलों पर वीआईपी दर्शन, विशेष पूजन-अभिषेक और आरती के नाम पर भारी शुल्क वसूले जा रहे हैं। इन सेवाओं के बदले श्रद्धालुओं को लंबी कतारों से मुक्ति, कम समय में दर्शन, और अधिक सुविधाजनक अनुभव दिया जाता है। पहली नजर में यह व्यवस्था एक विकल्प के रूप में दिखाई देती है, लेकिन जब इसका असर आम श्रद्धालुओं के अनुभव पर पड़ता है, तब यह एक गंभीर सामाजिक समस्या बन जाती है। आज स्थिति यह है कि एक ओर वे लोग हैं जो अतिरिक्त पैसे देकर कुछ ही मिनटों में आराम से दर्शन कर लेते हैं, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में आम लोग घंटों, कभी-कभी पूरे दिन, कतारों में खड़े रहते हैं। इस दौरान उन्हें भीड़, धक्का-मुक्की, बदतमीजी और कई बार मारपीट जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह अनुभव केवल असुविधाजनक नहीं, बल्कि अपमानजनक भी होता है—विशेषकर तब जब व्यक्ति अपनी आस्था और श्रद्धा के साथ वहां पहुंचा हो। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या आस्था भी अब एक "प्रीमियम सेवा" बनती जा रही है? क्या भगवान के दर्शन के लिए भी आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव होना चाहिए? यह स्थिति केवल धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज में बढ़ती असमानता का प्रतिबिंब भी है। राशन की दुकानों से लेकर गैस सिलेंडर की लाइन तक, और अब मंदिरों तक—मिडल क्लास और आम आदमी के हिस्से में अक्सर अव्यवस्था और संघर्ष ही आता है। वीआईपी संस्कृति के पक्ष में तर्क दिया जाता है कि इससे मंदिरों को अतिरिक्त राजस्व मिलता है, जिससे उनकी व्यवस्था और सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सकता है। यह तर्क कुछ हद तक सही भी है। बड़े मंदिरों में रोजाना लाखों श्रद्धालु आते हैं, जिनकी व्यवस्था करना आसान नहीं होता। ऐसे में यदि कुछ लोग अतिरिक्त शुल्क देकर अलग व्यवस्था चाहते हैं, तो उससे प्राप्त धन का उपयोग सार्वजनिक सुविधाओं में किया जा सकता है। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब यह व्यवस्था असंतुलित हो जाती है। जब वीआईपी सुविधाएं इतनी अधिक हो जाती हैं कि आम श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध संसाधन और समय कम पड़ने लगते हैं, तब यह एक प्रकार का अन्याय बन जाता है। कई बार देखा गया है कि वीआईपी दर्शन के लिए सामान्य कतारों को रोका जाता है, जिससे आम लोगों का इंतजार और बढ़ जाता है। इससे असंतोष और आक्रोश पैदा होना स्वाभाविक है। इसके अलावा, मंदिरों में कार्यरत कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों का व्यवहार भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई मामलों में आम श्रद्धालुओं के साथ कठोर और अपमानजनक व्यवहार किया जाता है, जबकि वीआईपी लोगों के साथ अत्यधिक विनम्रता दिखाई जाती है। यह दोहरा व्यवहार समाज में पहले से मौजूद वर्ग विभाजन को और गहरा करता है। धार्मिक स्थलों की मूल भावना पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं होते, बल्कि वे मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन के केंद्र होते हैं। जब वहां पहुंचने वाला व्यक्ति अव्यवस्था, भीड़ और भेदभाव का सामना करता है, तो उसकी आध्यात्मिक अनुभूति प्रभावित होती है। यह अनुभव उसे निराश और हताश कर सकता है। इस समस्या का समाधान आसान नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं। सबसे पहले, मंदिर प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वीआईपी सेवाओं की संख्या और प्रभाव सीमित रहे। इन सेवाओं का उद्देश्य केवल अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना होना चाहिए, न कि आम श्रद्धालुओं के अधिकारों को कम करना। दूसरा, भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। ऑनलाइन बुकिंग, टाइम स्लॉट सिस्टम, और डिजिटल कतार प्रबंधन जैसे उपायों से भीड़ को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है। इससे सभी श्रद्धालुओं को एक व्यवस्थित और सम्मानजनक अनुभव मिल सकता है। तीसरा, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों को संवेदनशीलता और शिष्टाचार का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। हर श्रद्धालु, चाहे वह वीआईपी हो या आम व्यक्ति, सम्मान का पात्र है। यह भावना केवल नीतियों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी दिखाई देनी चाहिए। चौथा, सरकार और संबंधित ट्रस्टों को इस मुद्दे पर स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए। धार्मिक स्थलों पर समानता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है। अंततः, यह भी जरूरी है कि समाज स्वयं इस मुद्दे पर जागरूक हो। जब तक लोग इस असमानता को सामान्य मानते रहेंगे, तब तक इसमें बदलाव आना कठिन है। आस्था का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि समानता, करुणा और न्याय जैसे मूल्यों को अपनाना भी है।

आज समय आ गया है कि हम यह सोचें कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। क्या हम ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ भगवान के दर्शन भी पैसे और पहुँच के आधार पर तय होंगे? या हम उस मूल भावना को बचाए रखेंगे, जिसमें हर व्यक्ति को समान अधिकार और सम्मान प्राप्त हो? मंदिरों की पवित्रता केवल उनकी भव्यता या व्यवस्था से नहीं, बल्कि वहां मिलने वाले अनुभव से तय होती है। यदि वह अनुभव भेदभाव और असमानता से भरा होगा, तो आस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। इसलिए यह जरूरी है कि हम इस मुद्दे को गंभीरता से लें और मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाएं, जहाँ हर श्रद्धालु को यह महसूस हो कि वह वास्तव में भगवान के दरबार में है—जहाँ सब बराबर हैं।

पाकिस्तान में अमेरिका- ईरान शांति वार्ता के मायने

लेखक-सौरभ वार्ष्णेय

पाकिस्तान की धरती पर अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति वार्ता केवल एक कूटनीतिक घटना नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया और मध्य-पूर्व की बदलती भू-राजनीति का संकेत है। यह पहल ऐसे समय में सामने आई है जब क्षेत्र लगातार तनाव, प्रॉक्सी युद्धों और ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। ऐसे में पाकिस्तान का मध्यस्थ के रूप में उभरना कई महत्वपूर्ण संदेश देता है। सबसे पहले, यह पाकिस्तान के लिए अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारने का अवसर है। लंबे समय तक आतंकवाद, राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक संकट से जूझने वाला पाकिस्तान अब खुद को एक जिम्मेदार और शांति-स्थापक देश के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है। यदि वह अमेरिका और ईरान जैसे कट्टर विरोधियों को बातचीत की मेज पर ला पाता है, तो यह उसकी कूटनीतिक सफलता मानी जाएगी। दूसरी ओर, यह अमेरिका की रणनीतिक लचीलापन को दर्शाता है। अमेरिका लंबे समय से ईरान पर दबाव की नीति अपनाता रहा है, लेकिन बदलते वैश्विक समीकरण—खासतौर पर चीन और रूस के बढ़ते प्रभाव—ने उसे बातचीत के रास्ते पर विचार करने के लिए प्रेरित किया है। पाकिस्तान को मंच के रूप में चुनना इस बात का संकेत है कि अमेरिका क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने के लिए नए रास्ते तलाश रहा है। ईरान के लिए भी यह वार्ता राहत का संकेत हो सकती है। आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव से जूझ रहा ईरान यदि बातचीत के जरिए कोई रास्ता निकालता है, तो उसकी अर्थव्यवस्था और वैश्विक संबंधों में सुधार संभव है। पाकिस्तान के साथ उसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध इस प्रक्रिया को सहज बना सकते हैं। हालांकि, इस पूरी प्रक्रिया के पीछे बड़ी शक्तियों का खेल भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चीन, जो पाकिस्तान का करीबी सहयोगी है, इस वार्ता में अप्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वह क्षेत्र में स्थिरता चाहता है ताकि उसकी आर्थिक परियोजनाएं, जैसे बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव, सुरक्षित रह सकें। फिर भी, चुनौतियां कम नहीं हैं। अमेरिका और ईरान के बीच अविश्वास गहरा है, और किसी भी समझौते तक पहुंचना आसान नहीं होगा। इसके अलावा, इज़रायल और खाड़ी देशों की प्रतिक्रिया भी इस प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। पाकिस्तान में होने वाली यह शांति वार्ता केवल दो देशों के बीच संबंध सुधारने की कोशिश नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक क्षेत्रीय संतुलन बनाने की दिशा में उठाया गया कदम है। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो न केवल मध्य-पूर्व बल्कि दक्षिण एशिया में भी स्थिरता और शांति की नई उम्मीद जगेगी।

शांति वार्ता सफल होती है तो आगे क्या? अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बीच यदि शांति वार्ता सफल होती है, तो यह केवल दो देशों के रिश्तों में सुधार भर नहीं होगा, बल्कि वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर इसके दूरगामी प्रभाव पड़ेंगे। यह एक ऐसे मोड़ की शुरुआत हो सकती है, जहां टकराव की जगह संवाद और सहयोग को प्राथमिकता मिले। सबसे पहला असर पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) की स्थिरता पर पड़ेगा। वर्षों से यह क्षेत्र युद्ध, प्रतिबंधों और प्रॉक्सी संघर्षों का केंद्र रहा है। शांति समझौते के बाद यमन, सीरिया, इराक और लेबनान जैसे देशों में चल रहे तनाव कम हो सकते हैं। ईरान समर्थित गुटों और अमेरिकी सहयोगी देशों के बीच टकराव में कमी आएगी, जिससे क्षेत्र में स्थिरता और शांति की संभावना बढ़ेगी। दूसरा बड़ा प्रभाव वैश्विक ऊर्जा बाजार पर दिखेगा। ईरान पर लगे प्रतिबंध हटने या कम होने की स्थिति में वह खुलकर तेल निर्यात कर सकेगा। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की आपूर्ति बढ़ेगी और कीमतों में गिरावट आ सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देशों को इसका सीधा लाभ मिलेगा, जिससे महंगाई पर नियंत्रण और आर्थिक विकास को गति मिल सकती है। तीसरा महत्वपूर्ण पहलू परमाणु कार्यक्रम का है। यदि शांति वार्ता के तहत ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने पर सहमत होता है, तो यह परमाणु प्रसार को रोकने की दिशा में एक बड़ी सफलता होगी। इससे इजऱायल और खाड़ी देशों की सुरक्षा चिंताएं भी कम होंगी और क्षेत्र में हथियारों की होड़ पर अंकुश लग सकता है। हालांकि, इस शांति प्रक्रिया के सामने चुनौतियां भी कम नहीं होंगी। इजऱायल जैसे देश ईरान पर पूरी तरह भरोसा करने को तैयार नहीं होंगे। वहीं, अमेरिका के भीतर भी राजनीतिक मतभेद सामने आ सकते हैं, जहां कुछ वर्ग ईरान के साथ समझौते का विरोध करेंगे। ईरान के भीतर कट्टरपंथी धड़े भी इस समझौते को कमजोर करने की कोशिश कर सकते हैं।इसके अलावा, चीन और रूस जैसे वैश्विक शक्तियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। यदि अमेरिका–ईरान संबंध सामान्य होते हैं, तो इन देशों के साथ ईरान के समीकरणों में भी बदलाव आ सकता है, जिससे वैश्विक शक्ति संतुलन पर असर पड़ेगा। यह कहा जा सकता है कि अमेरिका- ईरान शांति वार्ता की सफलता एक नए भू-राजनीतिक युग की शुरुआत कर सकती है। लेकिन यह सफलता तभी टिकाऊ होगी, जब दोनों देश आपसी विश्वास बनाए रखें और समझौते की शर्तों का ईमानदारी से पालन करें। शांति केवल समझौते से नहीं, बल्कि निरंतर संवाद और सहयोग से ही संभव है।

उज्बेकिस्तान में बॉक्सिंग प्रतियोगिता में समीर बोहरा दिखाएंगे पंच का दम

- दीपशिखा के बैडमिंटन प्रदर्शन पर रहेंगी नजरें

पिथौरागढ़ (उत्तराखंड)(एजेंसी)। सीमांत जनपद पिथौरागढ़ के समीर बोहरा का चयन उज्बेकिस्तान में आयोजित होने वाली अंडर–15 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में प्रतिभाग करने वाली भारतीय टीम में हुआ है. समीर बोहरा पिथौरागढ़ के हरि सिंह थापा स्पोर्ट्स कॉलेज में

बॉक्सिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं. 1 से 16 मई तक आयोजित होने वाली इस चैंपियनशिप में समीर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे. एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में समीर बोहरा से लोगों को काफी उम्मीदें हैं। बेहतरीन प्रदर्शन आया काम : 4 से 11 अप्रैल 2026 तक पटियाला, पंजाब में आयोजित चयन ट्रायल्स में समीर ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया. उनके प्रदर्शन के आधार पर समीर का चयन भारतीय टीम में हुआ है. समीर बोहरा ने इससे पहले भी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीते हैं. समीर बोहरा वर्तमान में हरि सिंह थापा स्पोर्ट्स कॉलेज पिथौरागढ़ में कक्षा–9 में अध्ययनरत हैं और प्रशिक्षक रविंद्र सिंह एवं देशरत्न बोहरा से बॉक्सिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं.अंडर–15 एशियन बॉक्सिंग चैम्पियनशिप 2026 में समीर से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

- **समीर के चयन से खुशी का माहौल :** इस प्रतियोगिता को लेकर स्पोर्ट्स कॉलेज के प्रधानाचार्य, जिला क्रीड़ा अधिकारी समेत जिला बॉक्सिंग एशोसिएशन ने समीर को शुभकामनाएं दी हैं.अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में इससे पूर्व हरि सिंह थापा स्पोर्ट्स कॉलेज पिथौरागढ़ कॉलेज के खिलाड़ी आदित्य भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर चुके हैं. बॉक्सिंग खिलाड़ी आदित्य महरा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर स्वर्ण पदक प्राप्त कर चुके हैं।
- **दीपशिखा का राष्ट्रीय स्तर पर चयन :** बेरीनाग के हिमालय इंटर कॉलेज की कक्षा 10 की छात्रा दीपशिखा कार्की ने अपने उत्कृष्ट खेल से क्षेत्र का नाम रोशन किया है. उनका चयन अंडर 17 राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए हुआ है, जिसमें वह उत्तराखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी. प्रतियोगिता 16 अप्रैल से 22 अप्रैल तक दिल्ली में आयोजित की जाएगी. दीपशिखा की इस उपलब्धि से विद्यालय, परिवार और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है. दीपशिखा के चयन पर मुख्य शिक्षा अधिकारी तरूण पंत, खंड शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र कुमार, एसडीएम खुशबू पांडे, प्रधानाचार्य देवबाला बिष्ट, प्रबंधक प्रकाश कार्की, संरक्षक सीएस कार्की,उप प्रधानाचार्य भूपेंद्र पपोला, भास्कर पंत, मंजू कार्की, यति रौतेला,कमलेश जोशी समेत आदि ने खुशी जताई है।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

आयुष शेट्टी ने वर्ल्ड नंबर-1 को दी मात

- **61 साल बाद फाइनल में पहुंचकर रचा इतिहास**

नईदिल्ली(एजेंसी)। भारतीय शटल आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया है. वो टूर्नामेंट के मेंस सिंगल में फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे और 1965 के बाद यहां तक पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं. 1965 में दिनेश खन्ना ने टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने थे।

आयुष शेट्टी का शानदार कम्बैक

शनिवार को निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में पुरुषों के सिंगल्स सेमीफाइनल में आयुष ने वर्ल्ड नंबर - 1 और पेरिस 2024 के सिल्वर मेडलिस्ट कुनलावुत विटिडसर्न को हराकर चौंका दिया. वर्ल्ड में 25वीं रैंक वाले इस भारतीय खिलाड़ी ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया और पहला सेट 10-21 से हारने के बाद लगातार दो सेट 21-19, 21-17 से जीतकर फाइनल में जगह बना ली. यह मैच एक घंटा 15 मिनट तक चला।

- **आयुष के लिए एक बड़ी उपलब्धि–** यह जीत आयुष के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी, क्योंकि वह 2018 में एच.एस. प्रणॉय के बाद बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी बन गए हैं. इसने इस टूर्नामेंट में भारत के पोडियम पर पहुंचने के इंतजार को भी खत्म कर दिया. इससे पहले आखिरी मेडल 2023 में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की डबल्स टीम ने जीता था।
- **वर्ल्ड नंबर 4 को भी हराया–** फाइनल तक का आयुष का सफर काफी शानदार रहा है. उन्होंने क्वार्टर फाइनल में ही सुर्खियां बटोरी थीं, जब उन्होंने वर्ल्ड नंबर 4 जोनाथन क्रिस्टी को 23-21, 21-17 से हराया था. यह इस इंडोनेशियाई स्टार के खिलाफ उनकी पहली जीत थी. टूर्नामेंट में इससे पहले, उन्होंने वर्ल्ड नंबर 7 ली शी फेंग को सीधे गेम में हराया था और उसके बाद चीनी ताइपे के चिन यू जेन पर भी एक और मजबूत जीत हासिल की थी।

सिंधु-लक्ष्य ने किया निराश

खास बात ये है कि इस टूर्नामेंट में दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पी.वी. सिंधु दूसरे राउंड में हार गईं, जबकि लक्ष्य सेन पहले ही राउंड में हारकर बाहर हो गए, जिनसे भारत को काफी ज्यादा उम्मीदें थी. आयुष शेट्टी अब एक बड़ी उपलब्धि की दहलीज पर खड़े हैं. वे भारत की उम्मीदों का बोझ अपने कंधों पर उठाए हुए हैं और अपने करियर के सबसे बड़े खिताब के साथ अपने इस शानदार सफर को अंजाम तक पहुंचाने का लक्ष्य रखे हुए हैं।

वैभव की एक और तूफानी पारी

राजस्थान ने आरसीबी को हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की

नईदिल्ली(एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 16वें मैच में राजस्थान रॉयल्स ने आरसीबी को 6 विकेट से हराकर इस सीजन अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की. 202 रनों के लक्ष्य को राजस्थान ने वैभव सूर्यवंशी के 26 गेंद में 78 और ध्रुव जुरेल के 43 गेंद में 81 रनों की नाबाद पारी की बदौलत 12 गेंद शेष रहते ही हासिल कर लिया. जडेजा भी 25 गेंद में 24 रन बनाकर नाबाद रहे।

वैभव–जुरेल की धमाकेधार बल्लेबाजी– वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर तूफानी पारी खेलकर सबका दिल जीत लिया. उन्होंने 15 गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी की, और मैच में 26 गेंद में 78 रन बनाकर आउट हुए. जिसमें 8 चौके और 7 छक्के शामिल हैं. वहीं ध्रुव जुरेल 43 गेंद में 81 रन बनाकर नाबाद रहे.

वैभव सूर्यवंशी ने भुवनेश्वर, हेजलवुड और बुमराह का सामना करने पर बोला मैं गेंद खेलता हूँ न कि गेंदबाजों को

वैभव सूर्यवंशी ने आरसीबी के खिलाफ एक और मैच जिताऊ पारी खेलकर सबका दिल जीत लिया. उन्होंने 26 गेंदों में 78 रन बनाए. जिसमें 8 चौके और 7 छक्के शामिल थे। इस दौरान वैभव ने स्विंग के किंग भुवनेश्वर कुमार और ऑस्ट्रेलिया के नंबर वन गेंदबाज जोश हेजलवुड के छक्के छुड़ा दिए ।वैभव ने इस मैच में भी बेहद निडरता से खेला. उन्होंने सबसे पहले भुवनेश्वर कुमार की गेंदों पर लगातार बाउंड्री लगाई, और फिर जोश हेजलवुड के ओवर में 19 रन बनाकर उन पर भी जोरदार हमला किया. इससे पहले वौभव ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में भारत के नंबर वन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के एक ही ओवर में दो छक्के जड़कर सबको हैरान कर दिया था.। 'सर मैं गेंद को खेलने की कोशिश करता हूं, गेंदबाज को नहीं' 78 रनों की शानदार पारी की वजह से वैभव को प्लेयर ऑफ दि मैच का अवॉर्ड दिया गया. मैच के बाद प्रेजेंटेशन में जब उनसे ये सवाल पूछा गया कि, क्या आप को बुमराह, भुवनेश्वर और हेजलवुड जैसे गेंदबाजों से डर नहीं लगता? तो वैभव ने अपने जवाब में कहा, ' सर मैं गेंद को खेलने की कोशिश करता हूं, गेंदबाज को नहीं.' मैच के बाद सूर्यवंशी ने कहा, 'मैं बस अपनी ताकत पर भरोसा करने और अभ्यास में जो किया है, उसे ही मैदान पर उतारने की कोशिश करता हूं.

आउट होने पर निराश क्यों होते हो?

वैभव ने आगे कहा, 'मेरे पिता मुझे लगातार मार्गदर्शन देते रहते हैं. यहां मेरे अभिभावक रोमी सर हैं. वे मुझे हमेशा याद दिलाते रहते हैं कि यह सफर बहुत लंबा है. इसलिए, मुझे सिर्फ अपने खेल पर ध्यान देना है, किसी और चीज पर नहीं.'78 रन बनाने के बावजूद आउट होने के बाद सूर्यवंशी थोड़े निराश दिखे.

चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट- वैशाली ड्रॉ के साथ टॉप पर पहुंचीं

- दिव्या देशमुख और प्रज्ञानानंदा हारे; टूर्नामेंट के 4 राउंड बाकी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू ने एफआईडीई चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के विमेंस कैटेगरी के 10वें राउंड में यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक के खिलाफ ड्रॉ खेला। इस ड्रॉ से मिले आधे पॉइंट्स के साथ वैशाली टॉप पर पहुंच गईं। दूसरी ओर, भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख को रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। ओपन कैटेगरी में भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को उज्बेक के जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानानंदा इस हार के बाद 7वें नंबर पर खिसक गए। टूर्नामेंट साइप्रस के पाफोस में खेला जा रहा है। अभी चार राउंड बाकी हैं।

टॉप-6 खिलाड़ियों के बीच 1 अंक का अंतर– 10वें राउंड में वैशाली को खास परेशानी नहीं हुई और खेल बिना उतार-चढ़ाव के ड्रॉ रहा। झू जिनेर को बिबिसारा असाउबायेवा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जिससे वैशाली को बढ़त मिली। टूर्नामेंट बेहद रोमांचक बना हुआ है। टॉप-6 खिलाड़ियों के बीच 1 पॉइंट का अंतर है।

- **गुकेश ने जीता था पिछला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट–** पिछली बार भारत के डी गुकेश ने इसे जीतकर चीन के डिंग लिरेन को चुनौती दी थी। तब गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बने थे। 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में पहली बार कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था।

व्यापार

टाटा संस सोना लिस्टिंग को लेकर अब छिड़ी जंग

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कई महीनों से टाटा ग्रुप अलग-अलग वजहों से चर्चा के केंद्र में रहा है। अब टाटा संस की लिस्टिंग को लेकर नई बहस छिड़ गई है। टाटा संस में एक बड़ा हिस्सा होल्ड करने वाले शापूरजी पालोनजी ग्रुप ने लिस्टिंग के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया है। शापूरजी पालोनजी ग्रुप ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से टाटा संस की लिस्टिंग की गुहार लगाई है। शापूरजी पालोनजी ग्रुप की टाटा संस में कुल 18.37 प्रतिशत होल्डिंग है। बता दें, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया इस महीने के अंत तक टाटा संस की लिस्टिंग पर अपना फैसला सुनाएगा। मौजूदा समय में टाटा संस की पहचान एक अपर-लेयर के तौर पर होती है। मौजूदा नियमों के अनुसार इसकी लिस्टिंग जरूरी है।

डीजल की कीमतों में 135 रुपये की कटौती, पेट्रोल भी सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में आज शनिवार को अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध को लेकर बातचीत होने जा रही है। लेकिन इस बीच पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने अपनी जनता को बड़ी राहत दी है। पाकिस्तानी सरकार ने डीजल की कीमतों में 135 रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल की कीमतों में करीब 12 रुपये की कटौती की है। कच्चे तेल की

कीमतों में गिरावट की वजह से शहबाज शरीफ की अगुवाई वाली सरकार ने कीमतों में कटौती का फैसला किा है। पाकिस्तान में हाई स्पीड डीजल का रेट 26 प्रतिशत या फिर 135 रुपये प्रति लीटर की कटौती के बाद 385.54 रुपये (पाकिस्तानी रुपये) प्रति लीटर के स्तर पर आ गया है। वहीं, हाई स्पीड पेट्रोल के रेट में 11.83 रुपये की कटौती देखने को मिली है। इस कटौती के बाद पेट्रोल का रेट 378.41 रुपये से घटकर 366.58 रुपये प्रति लीटर के स्तर पर आ गया है।

पाकिस्तान की सरकार ने केरोसीन ऑयल की कीमतों में भी कटौती का ऐलान किया है। शहबाज शरीफ की सरकार ने केरोसीन की कीमतों 17.33 रुपये प्रति लीटर की कटौती की है। बता दें, पाकिस्तान में लाइट डीजल ऑयल का रेट 25.31 रुपये घटा दिया गया है।

डीए पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, कर्मचारियों के लिए गुड न्यूज

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कर्मचारियों को महंगाई भत्ते यानी में बढ़ोतरी का इंतजार है तो केंद्र सरकार के रिटायर कर्मचारी महंगाई राहत यानी डीआर का इंतजार कर रहे हैं। इस इंतजार के बीच सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य महंगाई भत्ते को बढ़ाते समय सेवारत कर्मचारियों और पेंशनधारकों के बीच भेदभाव नहीं कर सकता। सेवानिवृत्त लोगों के समानता के अधिकार को बरकरार रखते हुए न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने केरल सरकार और केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) द्वारा दायर अपीलों को खारिज कर दिया। न्यायालय ने साफ किया कि महंगाई का प्रभाव सेवारत और सेवानिवृत्त, दोनों कर्मचारियों पर समान रूप से पड़ता है।

क्या कहा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा ने?: न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा ने फैसले में लिखा- समानता एक गतिशील अवधारणा है और इसे पारंपरिक सीमाओं में कैद नहीं किया जा सकता। वास्तव में, समानता और मनमानापन एक-दूसरे के एकदम विपरीत हैं। एक गणराज्य में कानून के शासन का हिस्सा है जबकि दूसरा

एक निरंकुश शासक की सनक है। संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का हवाला देते हुए फैसले में कहा गया कि इसमें 'वर्ग विधान' का निषेध किया गया है, लेकिन तार्किक वर्गीकरण की अनुमति की गई है। इसे दो परीक्षणों पर खरा उतरना चाहिए: वर्गीकरण एक सुविचारित अंतर पर आधारित होना चाहिए और इस अंतर का उस उद्देश्य के साथ तर्कसंगत संबंध होना चाहिए, जिसे हासिल करने की कोशिश की जा रही है।

पीठ ने कहा- यहां सेवानिवृत्त कर्मचारी न केवल पेंशन के बल्कि 'महंगाई राहत' (डीआर) के भी हकदार हैं, जो महंगाई के आधार पर समय-समय पर संशोधित होती है। मुद्दा लाभ की पात्रता का नहीं, बल्कि अलग-अलग दरों का है। न्यायालय ने कहा कि जब ये लाभ एक साझा उद्देश्य के लिए दिए जाते हैं और महंगाई से जुड़े होते हैं, तो सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए अलग-अलग दरें तय करना मनमाना और भेदभावपूर्ण है।

केंद्रीय कर्मचारियों को भत्ते का इंतजार: बता दें कि केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनर्स महंगाई भत्ते का इंतजार कर रहे हैं। यह भत्ता जनवरी से जून छमाही तक का होगा। सरकार आमतौर पर भत्ते पर होली के आसपास फैसला लेती है लेकिन इस बार इसमें देरी हो रही है। इस बार होली के एक महीने से भी ज्यादा समय के बाद भी किसी तरह की सुगबुगाहट नहीं है। वर्तमान में केंद्रीय कर्मचारियों का भत्ता 58 पर्सेंट है, जो 2 या 3 पर्सेंट बढ़ सकता है।

हर महीने 11250 क्लेम... केंद्रीय कर्मचारियों के भत्ते पर सरकार ने दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कर्मचारी इन दिनों बेसब्री से महंगाई भत्ते यानी डीए का इंतजार कर रहे हैं। अप्रैल महीने के 10 दिन बीत जाने के बाद भी भत्ते पर केंद्र सरकार ने फैसला नहीं लिया है। इस बीच, सरकार ने एक खास भत्ते चिल्ड्रन एजुकेशन अलाउंस पर स्पष्टीकरण जारी किया है। बता दें कि केंद्र सरकार हर महीने चिल्ड्रन एजुकेशन अलाउंस क्लेम करने की अनुमति देती है। इसमें केंद्रीय कर्मचारियों को बच्चे की शिक्षा पर किए गए खर्च के साथ-साथ 'हॉस्टल सब्सिडी' भी शामिल होती है। अब आइए जान लेते हैं कि सरकार ने इस भत्ते को लेकर क्या कुछ कहा है।

सरकार ने जारी किया एफएक्यू: चिल्ड्रन एजुकेशन अलाउंस की पात्रता को लेकर कई सवाल थे। उदाहरण के लिए रिटायरमेंट या नौकरी से निकाले जाने जैसी स्थितियों में कर्मचारियों को यह मिलेगा या नहीं क्या इसे प्री-प्राइमरी कक्षाओं के लिए भी

क्लेम किया जा सकता है या नहीं अब इन मामलों पर सरकार ने कुछ नए अक्सर पूछे जाने वाले सवाल जारी किए हैं।

क्या है नियम: केंद्र सरकार के नियम के मुताबिक एक सरकारी कर्मचारी अपने बच्चों की शिक्षा पर किए गए खर्च के लिए रीइम्बर्समेंट क्लेम करने का हकदार होता है। चिल्ड्रन एजुकेशन अलाउंस के रीइम्बर्समेंट की रकम सरकार ने 2812.5 रुपये प्रति माह तय की है। वहीं, हॉस्टल सब्सिडी 8,437.5 रुपये प्रति माह तय की गई है। कुल मिलाकर हर महीने 11,250 रुपये का रीइम्बर्समेंट मिलता है।

सरकार का स्पष्टीकरण: केंद्रीय कर्मचारियों के मन में सवाल था कि क्या कोई सरकारी कर्मचारी एकेडमिक साल के दौरान रिटायरमेंट, नौकरी से निकाले जाने या हटाए जाने की स्थिति में दावा कर सकता है इस पर सरकार ने साफ किया है कि अगर कोई सरकारी कर्मचारी एकेडमिक साल के दौरान रिटायर हो जाता है या उसे नौकरी से हटा दिया जाता है या निकाल दिया जाता है तो सब्सिडी उस एकेडमिक साल के आखिर तक दी जाएगी। सवाल ये भी था कि क्या नौकरी खत्म होने, छुट्टी पर होने या सस्पेंशन की स्थिति में मिलेगा इस पर यह साफ किया गया है कि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि सक्षम अधिकारी नौकरी खत्म होने से लेकर वापस नौकरी पर रखे जाने तक की अवधि को किस तरह मानता है। बात करें तो एक सरकारी कर्मचारी हर महीने 8,437.5 रुपये की हॉस्टल सब्सिडी का दावा कर सकता है। हालांकि, इसमें कुछ शर्तें भी हैं। यह केवल उस बच्चे के संबंध में लागू होगा जो कर्मचारी के घर से कम से कम 50 किलोमीटर दूर स्थित किसी हॉस्टल में पढ़ रहा हो। बता दें कि हॉस्टल सब्सिडी और बच्चों की शिक्षा भत्ता का दावा एक साथ किया जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)